राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण शुक्रवार,12जुन2020 वर्ष–2, अंक –100 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गृहमंत्री अमित शाह से मिले केजरीवाल दिल्ली में 24 घंटे के दौरान 48 लोगों की कोरोना से मौत

क्रांति समय समाचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में कोरोना के रिकॉर्ड 1501 नए मामले आए जबकि 48 लोगों की मौत हो गई। इतनी बड़ी तादाद में कोरोना से एक दिन में राजधानी में हुई मौत के बाद हड़कंप मचा हुआ है। दिल्ली में तेजी से बढ़ रहे कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों के बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की।

बुधवार को हुई इस मुलाकात के बाद सीएम केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि उन्होंने हर संभव मदद करने का भरोसा दिया है। दिल्ली सीएम ने ट्वीट किया, 'अमित शाह से मुलाकात कर दिल्ली में कोरोना की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने सभी प्रकार के सहयोग का आश्वासन दिया है।'

दिल्ली में कोरोना के मामलों में काफी तेजी देखने को मिल रही है। कुल संक्रमितों की संख्या 32810 हो गई है। वहीं अबतक 984 लोग इस बीमारी की वजह से अपनी जान गंवा चुके हैं। कोरोना के कारण दिल्ली में भयावह होती स्थिति के बीच अरविंद केजरीवाल ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। कोरोना के खिलाफ लड़ाई को जन आंदोलन बनाना होगा

इससे पहले अरविंद केजरीवाल ने एक इस दौरान उन्होंने कहा

कि 15 जून तक 44 हजार केस हो जाएंगे।

30 जून तक एक लाख, 15 जुलाई तक 2.25 लाख केस और 31 जुलाई तक 5.32 लाख कोरोना केस हो जाएंगे। इसे देखते हुए 15 जून तक 6681, 30 जून 15000 बेड, 15 जुलाई तक 33 हजार और 31 जुलाई तक 80 हजार बेड की जरूरत होगी। यह चुनौती बहुत बड़ी है, इसलिए अब कोरोना के खिलाफ इस लड़ाई को जनआंदोलन बनाना होगा। समय लड़ने का नहीं, एक साथ काम करने का' केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली कैबिनेट ने फैसला लिया था कि कोरोना संकट के दौरान दिल्ली के अस्पतालों में सिर्फ दिल्लीवालों का ही इलाज हो, लेकिन उपराज्यपाल से इस फैसले को पलट दिया। अब एलजी और केंद्र के आदेश को लागू किया जाएगा। अब हमें एक दूसरे से नहीं बल्कि मिलकर कोरोना से लड़ना है। इस पर राजनीति बंद होनी चाहिए। केजरीवाल ने यह कहा कि बेशक हमारे काम में कमियां हो सकती हैं, लेकिन हमारी नीयत और इच्छाशक्ति में कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं दिल्ली की जनता को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि आपको पूरा इलाज मिलेगा।

डॉक्टरों ने दी सामूहिक इस्तीफे की धमकी

क्रांति समय समाचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में कोरोना संक्रमण की रफ्तार बढ़ती जा रही है और कुल मरीजों का आंकड़ा 33 हजार के करीब पहुंच गया है।

इस बीच कोरोना से जंग लड़ रहे डॉक्टरों ने हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। दरअसल, दिल्ली के कई हॉस्पिटल में डॉक्टरों को तीन महीने से सैलरी नहीं मिल रही है। इसमें हिंदू राव हॉस्पिटल और कस्तूरबा हॉस्पिटल शामिल है। हिंदू राव हॉस्पिटल के रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन ने मेडिकल सुपरिटेंडेंट को खत लिखकर चार महीने से सैलरी न मिलने का मुद्दा उठाया है। डॉक्टरों ने कहा कि अगर उन्हें सैलरी नहीं मिलती है तो वह काम नहीं करेंगे। साथ ही डॉक्टरों ने चेतावनी दी कि है कि अगर 18 जून तक सैलरी नहीं मिली तो वह अपना इस्तीफा दे देंगे। हिंदू राव हॉस्पिटल को नॉर्थ एमसीडी चलाती है। कस्तूरबा हॉस्पिटल के रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉक्टर सुनील कुमार ने कहा कि हमें भी पिछले तीन महीने मार्च, अप्रैल और मई की सैलरी नहीं मिली है। यह समय हड़ताल

पर जाने का नहीं है, इसलिए हमने सामूहिक इस्तीफा देने का फैसला किया है।इस बीच दिल्ली में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में दिल्ली में 1501 संक्रमित मिले हैं और 48 लोगों की मौत हो गई है। दिल्ली में कोरोना से अबतक 32 हजार 810 लोग संक्रमित हुए हैं। दिल्ली में कोरोना से अबतक 984 लोगों की जान गई है। ऐसे में डॉक्टरों के सामूहिक इस्तीफे की धमकी ने दिल्ली की चिंता बढ़ा दी है। इन चिंताजनक हालातों में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने –दइेच;देश के गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कोरोना से लड़ाई में हर तरह की मदद का आश्वासन दिया है।

मास्को– शेर के शावक की तोड़ दीं हड्डियां ताकि सेल्फी लेने के वक्त भाग न सके, पुतिन ने दिए जांच के आदेश

क्रांति समय समाचार

मॉस्को (एजेसी)। रूस में पर्यटकों के मनोरंजन के नाम पर जानवरों के साथ अमानवीयता का व्यवहार किया जा रहा है।

ताजा घटना में शेर के एक मासूम से शावक के पैर इसलिए तोड़ दिए गए ताकि समुद्र तट पर छुट्टियां मनाने आए पर्यटकों के साथ फोटो के लिए पोज करते वक्त वह भाग न सके।

इस अमानवीय घटना से राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तक हैरान रह गए और उन्होंने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं।

यह शावक कुछ हफ्ते का था जब उसे उसकी मां से छीनकर पर्यटकों के साथ फोटो खिंचाने के लिए मजबूर कर दिया गया। जब वह बड़ा होने लगा तब उसके पैर तोड़ दिए गए ताकि वह भाग न सके। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सिंबा नाम के शावक की सेहत इस बर्बरता से गिरने लगी और उसकी रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोटें आईं। शावक

को बचाने वाले यूलिया अगीवा का कहना है कि उसे कुछ खाने को नहीं दिया जाता था। यूलिया और उनके साथ सिंबा को जानवरों के स्पेशलिस्ट डॉक्टर के पास लेकर गए। उन्होंने बताया कि अक्सर फोटोग्राफर जंगली जानवरों की हड्डियां तोड़ देते हैं ताकि वह भाग न सके। सिंबा का इलाज तो कर दिया गया है लेकिन अभी भी उसे कई परेशानियां हैं। इस बारे में राष्ट्रपति पुतिन को इकॉलिजिस्ट्स के साथ हुई एक वीडियो–कॉन्फ्रेंस में बताया गया

जिसके बाद पुतिन ने वादा किया कि सिंबा के साथ ये क्रूरता करने वाले और उसके साथियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद आपराधिक जांच शुरू कर दी गई है।

तेल कुओं की आग को बुझाने के लिए सेना तैनात, पूरे इलाके की घेराबंदी

प्रभावित हुए 7,000 लोगों को मुआवजे का एलान

क्रांति समय समाचार

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में तिनसुकिया जिले के बागजन तेल कुएं में लगी आग को बुझाने के लिए सेना तैनात हो गई है। सेना

ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर ली है। असम के उद्योग मंत्री चंद्र मोहन पटोवारी ने तिनसुकिया जिले के बागजान का दौरा किया, जहां गैस कंपनी ऑयल इंडिया के तेल के कुएं में में आग लगी है। उन्होंने ही 7,000 लोगों के प्रभावित होने की जानकारी दी और मुआवजे का एलान किया।

पोटवारी ने कहा,'मैंने ऑयल इंडिया के अधिकारियों, ओएनजीसी और जिला प्रशासन के साथ बैठक की। नुकसान का आकलन किया जाएगा और प्रभावित लोगों को मुआवजा दिया जाएगा।' ओआइएल के प्रबंध निदेशक सुशील चंद्र मिश्रा ने उन्हें आश्वस्त किया कि 21 दिनों में आग बुझा ली जाएगी। चंद्र मोहन ने राहत शिविरों का दौरा भी किया जहां 12 शिविरों में सात हजार प्रभावित लोगों को रखा गया है। गौरतलब है कि बागजान तेल कुएं में लगी भीषण आग को 1.5 किमी के दायरे में सीमित कर दिया गया है। आग पर काबू पाने की कोशिश में ओआइएल के दो अग्निशमन कर्मियों दुर्लोव गोगोई और टिकेश्वर गोहेन की मौत हो गई है। उनके शव घटनास्थल के नजदीक जलीय क्षेत्र से मिले। आग से आसपास के जंगल, घर और वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। गोगोई जाने–माने फुटबॉल खिलाड़ी भी थे और अंडर–19 व अंडर–21 वर्ग के कई राष्ट्रीय टूर्नामेंट में उन्होंने असम का प्रतिनिधित्व किया था। वह ओआइएल की फुटबॉल टीम में गोलकीपर थे।

होमगार्डस की पहरेदारी में बिक रही शराब

2017 जवानों के लिए आबकारी विभाग ने चुकाए साढ़े 6 करोड़ से अधिक

क्रांति समय समाचार

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश की अधिकांश शराब दुकानें शासन को आबकारी विभाग से चलवाना पड़ रही है। भोपाल में भी 32 दुकानों को खोला गया। प्रदेशभर की दुकानों को चलाने के लिए आबकारी विभाग की मांग पर 2017 होमगाडर्स सैनिक तैनात किए गए हैं। इन सैनिकों की तैनाती के लिए आबकारी विभाग को 6,61,97,940 रुपए सेंट्रल वेलफेयर फंड होमगार्ड मप्र जबलपुर के खाते में जमा करने पड़े हैं।

मध्यप्रदेश में 70 फीसदी ठेकेदारों के शराब दुकान के ठेके सरेंडर करने के बाद आबकारी विभाग को दूसरे विभागों को मदद की दरकार है। विभाग ने प्रदेश में शराब की दुकानें चलाने के लिए होमगाड्र्स से मदद मांगी थी। इस संबंध में आबकारी आयुक्त राजीव चंद दुबे ने डीजी होमगार्ड को चिठ्ठी लिखी थी। आबकारी आयुक्त राजीव चंद दुबे ने पत्र में लिखा है कि शराब दुकानें फिर से खोलने में 15 दिन से लेकर 1 महीने का समय लग सकता है। इसलिए तब तक रेवेन्यु के लिए करीब एक हजार दुकानें विभाग को खुद चलानी पड़ेंगी। इतनी बड़ी संख्या में दुकानें चलाना विभाग के लिए संभव नहीं है क्योंकि हमारे पास इतना अमला ही नहीं है। जो स्टाफ हमारे पास है उसकी ड्यूटी अवैध शराब की बिक्री रोकने में लगायी हुई है। ऐसे हालात में होमगाड्र्स की मदद से दुकानें खोली जा सकती हैं।

4 हजार की मांग, मिले 2017

आबकारी आयुक्त ने डीजी होमगार्ड को जिलेवार लिस्ट दी थी कि कहां कितनी दुकानें खोली जाना है और वहां कितने जवानों की जरूरत पडेगी। इस

सूची के मुताबिक प्रदेश भर में शराब दुकानों के लिए 4000 होमगार्ड जवान मांगे गए थे। लेकिन उन्हें 2017 जवान ही मिल सके हैं। आबकारी विभाग का मानना है सुरक्षा के लिहाज से जवानों का वर्दी में होना जरूरी है।

70 प्रतिशत ठेके सरेंडर

मध्य प्रदेश के 70 प्रतिशत शराब ठेकेदार सरकार की नई शराब नीति से संतुष्ट नहीं है। वो अपने ठेके सरेंडर कर चुके हैं। 30 प्रतिशत ठेकेदार ही सरकार के साथ हैं। 70 प्रतिशत शराब ठेकेदारों के सरेंडर करने से करीब 7000 करोड के आबकारी ठेके सरेंडर हो गए हैं।

ये है स्थिति...

–शराब ठेकेदारों ने 10460 करोड़ में से 7200 करोड़ की दुकानें छोड़ दी हैं।

– प्रदेश में कुल टेंडर 10460 करोड़ रुपए के हुए।

–सिर्फ 30 से 33 प्रतिशत ठेकेदार ही दुकान चलाएंगे।

–चार बड़े शहर भोपाल, इंदौर, ग्वालियर,जबलपुर में 3 हजार करोड़ की कुल दुकानें हैं

–प्रदेश में देसी शराब की 2544 और विदेशी शराब की 1061 दुकानें हैं।

–सरकार को मार्च में 653 करोड़,अप्रैल में 1029 करोड़, मई में 900 करोड़ का नुकसान हुआ।

–33 फीसदी दुकानों का राजस्व ही खजाने में आया।

–अब सरकार नये सिरे से टेंडर जारी कर दुकानें नीलाम करने की तैयारी में है।

–कहां कितने जवान

ग्वालियर–100, शिवपुरी–50, मुरैना–50, भिंड–75, धार–40, अलीराजपुर–12, इंदौर–150, खंडवा–75, बुरहानपुर–40, भोपाल–100, होशंगाबाद–20, बैतूल–60, जबलपुर–125, कटनी–50, डिंडोरी–10, छिंदवाड़ा–100, सिवनी–40, बालाघाट–80, मंदसौर–75, उज्जैन–150, देवास–100, शाजापुर–60, टीकमगढ़/निवाड़ी–75, पन्ना–40, सागर–100, सतना–70, रीवा–75, सिंगरौली–25, शहडोल–40, अनूपपुर–30।

राम मंदिर के भूमि पूजन के लिए एक जुलाई को अयोध्या आ सकते हैं पीएम मोदी

अयोध्या (एजेंसी)। रामजन्मभूमि परिसर में बहुप्रतीक्षित भूमि पूजन के लिए आगामी एक जुलाई की तिथि निर्धारित की गयी है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अयोध्या आ सकते हैं। यह भी संभावना है कि यदि परिस्थितियां सामान्य नहीं हुईं तो फिर वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए वह भूमि पूजन में शामिल होंगे।

मंदिर निर्माण समिति की बैठक के बाद समिति अध्यक्ष एवं वरिष्ठ आईएएस नृपेंद्र मिश्र के साथ ट्रस्ट के महासचिव राय ने गृह मंत्री अमित शाह व प्रधानमंत्री मोदी से भेंटकर भूमि पूजन का आमन्त्रण दिया और संभावित तिथियों में से सुविधानुसार किसी एक तिथि के लिए मंजूरी देने का आग्रह किया।

दरअसल आषाढ़ शुक्ल एकादशी यानी हरिशयनी एकादशी तदनुसार एक जुलाई की तिथि इसलिए निर्धारित की गयी है क्योंकि एकादशी के बाद चातुर्मास का शुभारम्भ हो जाएगा और फिर कार्तिक शुक्ल एकादशी तक शुभ एवं मांगलिक कार्यों का निषेध हो जाएगा। ऐसे में एक जुलाई तिथि को अंतिम माना जा रहा है।

क्रांति समय

SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480

YouTube Linkedin

Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.

www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

तालमेल का समय

भारत में कोरोना संक्रमण जिस गति से बढ़ रहा है, उसी गति से उसके खिलाफ लड़ाई भी बढ़ती जा रही है। सेहत सुरक्षा के इंतजाम बढ़ते जा रहे हैं, नीतियों और रणनीतियों को भी स्वाभाविक ही कसा जा रहा है। इस बीच यह एक सकारात्मक पहल है कि केंद्र सरकार ने 15 राज्यों के 50 जिलों में तीन-तीन सदस्यीय टीमों को रवाना किया है। विशेषज्ञों के ये दल इन जिलों में कोरोना के खिलाफ लड़ाई में स्थानीय प्रशासन की मदद करेंगे। अनुशासन और निगरानी को चाक-चौबंद बनाने में अपनी भूमिका निभाएंगे। भले कुछ देर से यह कदम उठाया गया हो, लेकिन यह स्वागत योग्य है। कुछ राज्यों की ओर से यह शिकायत आ भी रही थी कि केंद्र सरकार कोरोना संक्रमण के पूरे मामले को राज्यों पर डालकर बच नहीं सकती। ऐसे में, केंद्र के लिए यह पहल इसलिए भी जरूरी थी कि राज्य पहले से ज्यादा सजग होकर काम करें। केंद्र सरकार की इस पहल से यह तो पता चल ही गया है कि देश के 15 राज्यों के 50 जिले कोरोना से ज्यादा पीड़ित हैं। यह सूचना अपने आप में राज्यों पर जरूरी दबाव बनाने के लिए कारगर सिद्ध हो सकती है। जिन 15 राज्यों में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, उनमें महाराष्ट्र सबसे आगे हैं, जहां सर्वाधिक सात जिलों में कोरोना के खिलाफ लड़ाई बेहतर प्रबंधन, अनुशासन की मांग कर रही है। तमिलनाडु में भी सात जिले चुनौती पेश कर रहे हैं। इसके अलावा तेलंगाना, राजस्थान, असम, हरियाणा, गुजरात, कर्नाटक, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दिल्ली में भी ज्यादा प्रयासों की जरूरत है। प्रवासियों के लौटने से डगमगाए बिहार और उत्तर प्रदेश के चार-चार जिलों और ओडिशा के पांच जिलों को भी केंद्र सरकार ने सहायता के योग्य माना है। बेशक, इन जिलों में रोकथाम की रणनीति को सावधानीपूर्वक लागू करना होगा, ताकि कोरोना इन जिलों में भी काबू में आए और बाहर भी न फैले। राज्यों में गई केंद्र की टीमों को अपनी उपयोगिता सही रूप में साबित करनी चाहिए, ताकि आगे भी ऐसे प्रयासों को बल मिल सके। इन टीमों में उचित ही एक डॉक्टर, एक सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ और एक महामारी विशेषज्ञ को शामिल किया गया है। ध्यान रहे, यह समय केंद्र व राज्यों में बेहतर समन्वय का है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने भी मिलकर चलने और राजनीति से बचने की वकालत की है, तो कोई आश्चर्य नहीं। उन्होंने चेताया भी है कि दिल्ली में कोरोना तेजी से फैलेगा। यह चिंता का समय केवल दिल्ली के लिए नहीं है। राजस्थान अपनी सीमाओं को फिर सील करने के लिए मजबूर हो रहा है, तो महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने मुंबई में लोगों को दोटूक चेताया है कि वे भीड़ न लगाएं, वरना फिर लॉकडाउन लगाना पड़ेगा। जिस तरह की तैयारियां चल रही हैं, जिस तरह से शहर-गांव अनलॉक हो रहे हैं, उससे लगता है, सरकारें मानकर चल रही हैं कि संक्रमण बढ़ेगा। अत- यह केंद्र और राज्यों ही नहीं, बल्कि राज्यों के स्थानीय प्रशासन और आम लोगों के बीच भी बेहतर समन्वय व सतर्कता का वक्त है। काश! लोग सावधानी बरतते, भीड़ न लगाते। जो देश सुधार की राह पर हैं, उनसे सीखते, तो भारत के बारे में डब्ल्यूएचओ या किसी मुख्यमंत्री को यह न कहना पड़ता कि संक्रमण तेजी से फैलेगा। हमारे पास अभी भी वक्त है, हम हर स्तर पर सजग रहते हुए कोरोना पर काबू कर सकते हैं।

आज के ट्वीट

आत्मनिर्भर

आत्मनिर्भर भारत अभियान का सीधा सा मतलब है कि भारत दूसरे देशों पर अपनी निर्भरता कम से कम करे।

-- पीएम नरेन्द्र मोदी

चीन के मुकाबले खड़ा मजबूत भारत

जी. पार्थसारथी

हाल ही में जब खबर आई कि चीनी सैनिकों ने लद्दाख क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा को पार कर एक बार फिर घुसपैठ की है तो भारत में बड़ी चिंता बनना स्वभाविक है। कुछ लोगों के दिमाग में यह सवाल कौंध गया है 'क्या महत्वाकांक्षी दबंग चीन अपनी मजबूत आर्थिकी और सैन्य शक्ति के बूते भारत पर दबाव के लिए 1962 जैसा हमला दोहराएगा? भारत में काफी लोगों पर आज भी 1962 में बना 'चीन का हौव्वा' कायम है। हालांकि, तब और अब के बीच भारत कहीं बेहतर सैन्य संसाधन, आत्मविश्वास, आर्थिक स्थिति और राजनयिक प्रभाव से लबरेज़ है। इसलिए यह फिक्र करना बेमानी होगा क्योंकि पिछले कुछ मौकों पर चीनी आक्रामकता का युक्तिपूर्ण सामना कैसे किया जाए, यह साबित करते हुए भारत ने उत्तरोतर आत्मविश्वास प्राप्त किया है। 1962 की शिकस्त के पीछे एक बड़ी वजह प्रधानमंत्री नेहरू और उनके विश्वस्त रक्षा मंत्री वी.के. कृष्णमेनन का वक्त रहते चीन की नीयत न भांप पाना था। 1962 में मोर्चे की कमान किसे सौंपी जाए, इस पर भी गफलत हुई थी। हैरानी की बात है कि ले. जनरल बी.एन. कौल, जिनके पास आमने-सामने की लड़ाई में व्यक्तिगत हिस्सा लेने का अनुभव नहीं था और जो मूलत: सेना की सेवा इकाई (आर्मी सर्विस कोर) से थे, उन्हें उत्तर पूरबी मोर्चे (नेफा) का कमांडर बना दिया। इतना ही नहीं, अति अलंकृत और सम्मानीय कमांडर ले. जनरल एस.वी. थोरट की वरीयता को दरकिनार करके ले. जनरल पी.के. थापर को सेनाध्यक्ष बनाया गया था। चीन के मुकाबले हमारे सैनिकों के पास न तो पर्याप्त हथियार और अन्य उपकरण थे न ही संख्या बल। उधर, चीन की सेना कोरिया में अमेरिकी फौज को टक्कर देने के बाद तपी-तपाई थी। लिहाजा 1962 की लड़ाई में भारत को करारी और शर्मनाक हार झेलनी पड़ी थी। किंतु इसके बाद हालात बदलते गए। लालबहादुर शास्त्री और इंदिरा गांधी की सरकारों ने सैन्य क्षमता को बढ़ाया, जिसके बूते 1971 में बांग्लादेश का निर्माण संभव हो पाया था, इसमें सोवियत यूनियन द्वारा दी गई सैन्य सामग्री काफी सहायक रही थी। वर्ष 1971 में मिली जीत ने भारत का खोया आत्मविश्वास और आत्मसम्मान पुन: स्थापित कर दिया था, साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा नजरिए में भी बदलाव किया था। वर्ष 1986 में भारतीय सुरक्षा बलों की परीक्षा घड़ी पुन: आई, जब दोनों ओर से मान्य अंतर्राष्ट्रीय सीमारेखा का उल्लंघन कर चीनी फौजियों ने सुमदोरोंग चू क्षेत्र में घुसपैठ कर डेरा जमा लिया। सेनाध्यक्ष जनरल सुंदरजी ने लगभग 3000 जवान हवाई माध्यम से ठीक सीमा से सटे दक्षिण बिंदु पर उतारे थे, कभी वहां चीन का कब्जा था। इस कारनामे ने चीनियों को भौंचक कर दिया था। चीन के तत्कालीन सर्वोच्च नेता देंग शियाओ पिंग ने तिलमिलाकर चेतावनी देते हुए कहा था : 'भारत को एक और सबक सिखाएंगे'। लेकिन यह कहते वक्त 1979 में मिली शिक्षा भूल गए, जब ठीक इसी अंदाज में वियतनाम को धमकाते हुए चढ़ाई कर दी थी और चीनी सेना को मुंह की खाकर वापस आना पड़ा था! लेकिन भारत ने 1986 में दृढ़ता दिखाई और प्रधानमंत्री राजीव गांधी का अपने रुख पर कायम रहना चीन के साथ संबंध सुधारने में काम आया था। इसके बाद भारतीय सरकारों ने भी सैन्य क्षमता विस्तारण और चीन के साथ रिश्तों को बेहतर बनाने का सिलसिला जारी रखा था। तथापि सीमा पर चीनी घुसपैठ की संभावना सदा बनी रही है। डोकलाम की ऐसी एक घटना में भारत ने चीनी प्रयास को सफलतापूर्वक वापस धकेल दिया था। इसके बाद से चीन ने समूची सीमारेखा पर पुराने चले आ रहे विवादों पर वार्ता, सुसपष्टता और निशानदेही से हल निकालने हेतु बैठक करने से इनकार कर रखा है। संभवत: चीन क्षेत्र संबंधी विवादों को बरकरार रखना चाहता है। ताजा घुसपैठ के बाद भारत ने लद्दाख क्षेत्र में माउंटेन डिविज़न समेत सीमा पर सैनिक तैनात कर दिए हैं। इनका साथ देने को टैंक, तोपखाना और बख्तरबंद सैनिक वाहन और जरूरत पड़ने पर फौरी वायुसेना मदद की व्यवस्था की गई है। मोदी सरकार लद्दाख में सीमा के साथ कुमुक गलियारा बनाने के लिए कृतसंकल्प है। गत 5 अगस्त, 2019 को गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में दिए भाषण में कहा : 'कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है, इस पर जरा भी शक नहीं है। जब मैं जम्मू-कश्मीर कहता हूं तो इसका मतलब है इसमें पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर और अक्साई चिन भी शामिल है।' इस वक्तव्य पर चीन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी और लद्दाख के कुछ हिस्सों पर अपना हक बताते हुए दौलत बेग ओल्डी में भारत द्वारा हवाई अड्डा और अन्य सुविधाओं के विकास कार्य पर चिंता जताई थी। यह हवाई अड्डा संवेदनशील अक्साई चिन गलियारा, जो कि चीन के शिनजियांग प्रांत और तिब्बत को जोड़ता है, उससे महज 8 कि.मी. की दूरी पर है। चीन समूचे अक्साई चिन पठार पर अपना नियंत्रण बनाना चाहता है और लद्दाख के कुछ हिस्से इस पठारीय भू-भाग का हिस्सा हैं। हाल ही में भारत, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के बीच बने गुटबंदी को लेकर भी चीन चिंतित है। इस गुट में इंडोनेशिया और वियतनाम भी हैं, ये मुल्क चीन द्वारा अपने लगभग सभी पड़ोसी देशों पर अतिशयोक्तिपूर्ण समुद्री सीमा संबंधी दावों का सामना करने हेतु एकजुट हुए हैं। प्रभावित हुए मुल्कों में जापान, दक्षिण कोरिया, वियतनाम, फिलीपींस और इंडोनेशिया हैं। चीन के उक्त दावे समुद्री सीमा पर अंतर्राष्ट्रीय कानून की धाराओं का सरासर उल्लंघन करते हैं। पिछले वर्षों में पाकिस्तान के कंधे पर सवार होकर चीन ने भारत और पड़ोसी मुल्कों के बीच द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अतंर्राष्ट्रीय संबंधों में खटास लानी चाही है, इस पर भारत ने भी मुखर प्रतिक्रिया दिखाई है। इसके अलावा भारत दुनियाभर के उन देशों के साथ खड़ा हुआ है, जिन्हें यकीन है कि कोविड-19 के वैश्विक महामारी बनने में चीन का हाथ है, यह वायरस वुहान में कैसे उपजा और इसकी असलियत पर लीपापोती करने पर चीन पर अंगुलियां उठा रहे हैं। भारत ने अन्य देशों के साथ मिलकर बीड़ा उठाया है, इसकी पड़ताल होनी चाहिए। जाहिर है चीन को अहसास हो गया है कि भारत भी लद्दाख में कड़ा रुख अपनाएगा। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि भारत अक्साई चिन सीमा के काफी पास सटे पैनगोंग झील, गलवान नदी क्षेत्र में सड़क निर्माण से लेकर सामरिक महत्व के दौलत बेग ओल्डी हवाई अड्डे का विकास करने से टलने वाला नहीं है। वैसे चीन को भारत का संकल्प उस वक्त साफ हो गया होगा जब घोषणा हुई थी कि 11 विशेष रेलगाड़ियों के जरिए 11,815 कर्मी लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में सड़क निर्माण हेतु पहुंचाए जाएंगे। चीन को सनद रहे कि भारत अब 2020 में है न कि 1962 वाला। पिछले कुछ मौकों में चीन मौजूदा सीमारेखा में बदलाव लाने के प्रयासों में सफल नहीं हो पाया है। हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का प्रभाव घटाने में भी चीन सफल नहीं हो पाया है। अगरचे चीन अप्रैल, 2005 में की गई संधि के प्रावधानों पर अमल करे तो सीमा को लेकर मतभेद और तनाव सुलझाए जा सकते हैं। इस संधि में कहा गया था : 'आपसी सहमति से सीमारेखा को आसानी से पहचाने जा सकने वाले भौगोलिक चिन्हों के आधार पर सुसपष्ट किया जाएगा।' भारत और चीन के सैन्य कमांडरों के बीच हुई ताजा भेंट मतभेद सुलझाने की दिशा में एक कदम है। हालांकि, ऐसी उम्मीद है कि समझौता वार्ता में लेनदेन काफी कड़ा रहेगा।

लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

ज्ञान गंगा

शुभ कमाई से प्रीति

श्रीराम शर्मा आचार्य

एक गांव था! ऐसी जगह बसा था..जहां आने जाने के लिए एकमात्र साधन नाव थी.. क्योंकि बीच में नदी पड़ती थी और कोई रास्ता भी नहीं था। एक बार वहां महामारी फैल गई और बहुत-सी मौतें हो गई..लगभग सभी लोग वहां से जा चुके थे..कुछ गिने-चुने लोग बचे थे और वो नाविक गांव में बोल कर आ गया था कि मैं इसके बाद नहीं आऊंगा जिसको चलना है वो आ जाए..सबसे पहले एक भिखारी आ गया और बोला मेरे पास देने के लिए कुछ भी नहीं है..मुझे ले चलो..ईश्वर आपका भला करेगा! नाविक सज्जन पुरु ष था..उसने कहा कि यहीं रुको। जगह बचेगी तो तुम्हें ले जाऊंगा..धीरे-धीरे करके पूरी नाव भर गई सिर्फ एक ही जगह बची। नाविक भिखारी को बोलने ही वाला था कि आवाज आई रु को, मैं भी आ रहा हूं..आवाज जमींदार की थी..जिसका धन-दौलत से लोभ और मोह देख कर उसका परिवार भी उसे छोड़कर जा चुका था..सवाल था कि किसे लिया जाए..जमींदार ने नाविक से कहा-मेरे पास सोना-चांदी है..मैं तुम्हें दे दूंगा और भिखारी ने हाथ जोड़कर कहा कि भगवान के लिए मुझे ले चलो..नाविक समझ नहीं पा रहा था कि क्या करे तो उसने फैसला नाव में बैठे लोगों पर छोड़ दिया। सब आपस में चर्चा करने लगे..इधर जमींदार सबको धन का पलोभन देता रहा और उस भिखारी से बोला ये सब कुछ तू ले ले..मैं तेरे हाथ-पैर जोड़ता हूं..मुझे जाने दे! तो भिखारी ने कहा, मुझे भी अपनी जान प्यारी है। मेरी जिंदगी ही नहीं रहेगी तो धन दौलत का क्या करूंगा? जीवन है तो जहान है! तो सभी ने मिलकर..फैसला किया कि जमींदार ने आज तक हमसे लूटा ही है ब्याज पर ब्याज लगाकर हमारी जमीन अपने नाम कर ली..और माना कि भिखारी हमसे हमेशा मांगता रहा पर उसके बदले में इसने हमें खूब दुआएं दीं और इस तरह भिखारी को साथ में ले लिया गया..ईश्वर भी हमारे साथ वैसा ही न्याय करता है..जब अंत समय आता है..सारे कर्मो का लेखा-जोखा सामने रख देता है और फैसले उसी हिसाब से होते हैं..फिर गिड़गिड़ाना काम नहीं आता। शुभ कर्म ही साथ होते हैं..इसलिए अभी भी वक्त है-हमारे पास संभलने का..और शुभ कर्म करने का..बाद में कुछ नहीं होगा..शायद इसलिए कहा गया है..अब पछताय क्या जब चिड़ियां चुग गई खेत..।

बंदी के दौरान बढ़ा बच्चों का कुपोषण

जाहिद खान

कोविड-19 महामारी की वजह से हुए लॉकडाउन का प्रभाव यूं तो मानव जीवन के हर क्षेत्र पर पड़ा है, लेकिन इसका सबसे ज्यादा असर बच्चों और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण पर पड़ा है। 'जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी' ने हाल ही भारत के संदर्भ में एक अध्ययन किया, जिसके नतीजे चौंकाने वाले थे। अध्ययन के मुताबिक आने वाले छह महीनों में देश में तीन लाख बच्चों की मौत कुपोषण से हो सकती है। लाखों लोगों के रोजगार छिन जाने से इसका सबसे ज्यादा असर, बच्चों के पोषण पर पड़ रहा है। देश में एक से पांच साल उम्र के बच्चों की हालत पर यदि नजर डालें, तो हर पांच बच्चों में से एक बच्चा कुपोषित है। सिर्फ पोषण ही नहीं, इस दरमियान बच्चों का टीकाकरण भी रुका हुआ है। वैक्सीन के अभाव में टीके नहीं लग पा रहे हैं। कहीं-कहीं जहां वैक्सीन उपलब्ध है, माताएं कोरोना वायरस के संक्रमण के डर से बच्चों को टीके लगाने अस्पताल नहीं पहुंच रही हैं, जिसकी वजह से बच्चों में बीमारी का खतरा और भी ज्यादा बढ़ गया है। एक अनुमान के मुताबिक लॉकडाउन की वजह से दक्षिण एशिया के साढ़े तीन करोड़ बच्चे टीकाकरण से वंचित हो गए हैं।

देश में बच्चों और गर्भवती महिलाओं को कुपोषण से बचाने लिए बीते छह साल से 13 लाख आंगनवाड़ी केन्द्रों के माध्यम से पोषण आहार दिया जा रहा है। खास तौर से इन केन्द्रों पर एक से छह साल तक के बच्चों को 'रेडी टू ईट फूड' मिलता है, जिससे इनका कुपोषण दूर हो। लेकिन कोरोना वायरस संक्रमण की वजह से देशभर में यह आंगनवाड़ी केन्द्र अभी बंद हैं। देशभर की लाखों आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं घर-घर जाकर बच्चों को पोषण आहार बांट रही हैं। लेकिन इन घरों तक जो खाना पहुंच रहा है, वह जरूरत के मुताबिक काफी कम है। जो खाना बच्चों को रोज मिलता था, वह पन्द्रह दिन में एक बार मिल रहा है। खाना भी ऐसा जो जरूरी मानदंडों पर खरा नहीं उतरता। यही वजह है कि इसका असर आहिस्ता-आहिस्ता बच्चों और गर्भवती-धात्री, स्तनपान कराने वाली महिलाओं के स्वास्थ्य पर पड़ने लगा है। बच्चों में कुपोषण के लक्षण दिखाई देने लगे हैं। मध्य प्रदेश में लॉकडाउन के दौरान यहां बच्चों को जरूरत का आधा पोषण ही मिल पाया। जबकि गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को आधे से भी कम पोषण मिला। भोपाल स्थित एक गैर-सरकारी संस्था 'विकास संवाद' ने प्रदेश के छह जिलों में 45 दिनों तक पोषण आहार का अध्ययन कर, जब अपनी रिपोर्ट बनाई, तो उसमें कई चौंकाने वाले तथ्य सामने निकलकर आए। मसलन बच्चों में जरूरत के हिसाब से 693 कैलोरी यानी 51 फीसद पोषण की कमी दर्ज की गई। वहीं गर्भवती महिलाओं में रोजाना 2157 यानी 67 फीसदी और स्तनपान कराने वाली माताओं में 2334 कैलोरी यानी 68 फीसद की कमी आई है। यही नहीं, प्रदेश के आंगनवाड़ी केन्द्रों से 3 से 6 साल उम्र के बच्चों को जो 'रेडी टू ईट फूड' मिलता था, उसमें भी लॉकडाउन के दौरान बेहद कमी आ गई। करीब 60 फीसद बच्चों को यह जरूरी आहार नहीं मिला। जाहिर है कि जब बच्चों को जरूरत के मुताबिक पौष्टिक आहार नहीं मिलेगा, तो वह पूरी तरह से मां के दूध पर ही आश्रित हो जाएगा। इससे स्तनपान कराने वाली माताओं के स्वास्थ पर भी असर पड़ा है। कुपोषण का सीधा संबंध मां के स्वास्थ्य से जुड़ा होता है। देश में 15 से 49 साल की 54 फीसद से ज्यादा महिलाओं में खून की कमी है। ये महिलाएं एनीमिया से ग्रस्त हैं। जाहिर है कि जब मां ही स्वस्थ नहीं होगी और उसे गर्भधारण से पहले, गर्भावस्था और मां बनने के दौरान समुचित पोषण नहीं मिलेगा, तो शिशु भी कुपोषित होगा।

तत्कालीन संप्रग सरकार साल 2013 में जब 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा विधेयक' लेकर आई, तो यह उम्मीद बंधी थी कि इस विधेयक के अमल में आ जाने के बाद देश की 63.5 फीसद आबादी को कानूनी तौर पर तय सस्ती दर से अनाज का हक हासिल हो जाएगा। कानून बनने के बाद हर भारतीय को भोजन मिलेगा। अफसोस! इस कानून को बने सात साल से ज्यादा हो गए, मगर यह कानून देश के कई राज्यों में सही तरह से अमल में नहीं आ पाया है। भोजन का अधिकार कानून होने के बाद भी गरीब लोग सस्ते दामों पर अनाज पाने की सहूलियत से महरूम हैं। केन्द्र और राज्य सरकारें कहती हैं कि लॉकडाउन के दौरान सार्वजनिक वितरण प्रणाली के जरिए गरीब परिवारों तक उन्होंने सस्ते दर पर गेहूं और चावल पहुंचाया है। किसी को भी उन्होंने भूखा सोने नहीं दिया है। जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही कहती है। 'विकास संवाद' की रिपोर्ट के मुताबिक सार्वजनिक वितरण प्रणाली का फायदा 52 फीसदी परिवारों को पूरी तरह नहीं मिला है। 18 फीसदी परिवार इस योजना से आंशिक तौर पर लाभान्वित हुए हैं। वहीं 30 फीसदी परिवार सस्ते राशन की योजना से वंचित रह गए। करीब 9 फीसदी परिवार बीपीएल कार्ड होने के बाद भी राशन से वंचित रहे। 'भोजन का अधिकार कानून' में आठवीं कक्षा तक के बच्चों को स्कूल में मुफ्त भोजन मिलने का भी प्रावधान है। लेकिन 'विकास संवाद' की रिपोर्ट कहती है कि प्राथमिक स्कूल के 58 फीसदी बच्चों को न तो 'मिड डे मील' और न ही इसकी जगह भोजन भत्ता मिला है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। तनाव व टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके पराक्रम तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। खान-पान में सावधानी रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुम्भ पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंध मिलेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मीन शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाई या पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दुनिया की बड़ी रेटिंग एजेंसी S&P ने कहा- भारत की GDP ग्रोथ दो साल में 8.5% पर पहुंच सकती है

बिजनेस डेस्क:

दुनिया की बड़ी रेटिंग एजेंसी स्टैंडर्ड एंड पुअर्स (S&P) ने कहा कि वित्त वर्ष 2021 में बड़ी गिरावट के बावजूद भारत में मजबूत रिकवरी के संकेत दिख रहे हैं। इससे वित्त वर्ष 2022 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 8.5 फीसदी के करीब रह सकती है। हालांकि, एजेंसी ने कहा कि कमजोर वित्तीय सेक्टर और लेबर मार्केट में सुधार करने की जरूरत है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है तो रिकवरी पर असर पड़ सकता है। एजेंसी ने चालू वित्त वर्ष में 5त्न जीडीपी संकुचन का अनुमान जताया है। रेटिंग्स ने भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग्स 'बीबीबी-' पर अपरिवर्तित रखी है। रेटिंग्स एजेंसी ने भारत की विदेशी और स्थानीय मुद्रा पर अपनी अयाचित रेटिंग्स दीर्घकाल के लिए 'बीबीबी-' और अल्पकाल के लिए 'ए-3' की पुष्टि की है। इसके अलावा एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा है कि दीर्घकाल रेटिंग पर भारत का परिदृश्य स्थिर है। रेटिंग एजेंसी ने बुधवार को बयान में कहा कि स्थिर परिदृश्य हमारी इस अपेक्षा को जाहिर करता है कि कोविड-19 महामारी पर लगाम लगने के बाद भारत की अर्थव्यवस्था सुधरेगी, देश अपनी शुद्ध बाहरी स्थिति को बनाए रखेगा। 2021 में फिस्कल डेफिसिट जीडीपी का 11 फीसदी रहने का अनुमान एसएंडपी ने कहा कि भारत सरकार की ओर से हाल ही में किए गए उपाय रचनात्मक नीति निर्माण का रास्ता तैयार करते हैं। लेकिन कम राजस्व भारत की फिस्कल स्थिति को कमजोर करता रहेगा। एजेंसी ने कहा कि कोरोना महामारी के कारण सरकार के लिए राजस्व जुटाने के लिए सख्त कदम उठाना काफी मुश्किल होगा। ऐसे में वित्त वर्ष 2021 में भारत का फिस्कल डेफिसिट जीडीपी का 11 फीसदी रह सकता है।

फिच रेटिंग्स ने भी जताया है 9.5 फीसदी ग्रोथ का अनुमान

एसएंडपी के अलावा फिच रेटिंग्स ने भी वित्त वर्ष 2022 में भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार का अनुमान जताया है। एजेंसी ने बुधवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में संकुचन के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से वापसी करेगी और अगले वित्त वर्ष में 9.5 फीसदी का तेज ग्रोथ रेट रहेगा। हालांकि, तेज ग्रोथ रेट के लिए वित्तीय सेक्टर की हालत में सुधार करना होगा। फिच रेटिंग ने कोरोनावायरस महामारी के कारण चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था का सिकुड़ने के अनुमान जताया है। एजेंसी ने चालू वित्त वर्ष में जीडीपी में 5% का संकुचन रहने का अनुमान जताया है।

वित्त वर्ष 2020 में 4.2 फीसदी रही जीडीपी ग्रोथ

जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 3.1 % रही है। हालांकि पूरे साल के दौरान जीडीपी की वृद्धि दर 4.2 % रही। इसी तरह ग्रास वैल्यू एडेड (जीवीए) 3.9 प्रतिशत रहा है। केंद्रीय सांख्यिकीय विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, इससे पहले अक्टूबर से दिसंबर की तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर 4.7 % थी। जबकि 2019 के पूरे साल के दौरान यह वृद्धि दर 6.1% थी।

घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 70 हजार के पार

नई दिल्ली: नियमित घरेलू यात्री विमान सेवा 25 मई को दुबारा शुरू होने के बाद 17वें दिन बुधवार को रिकॉर्ड 712 उड़ानें रवाना हुईं और पहली बार 70 हजार से अधिक यात्रियों ने सफर किया। नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ट्वीट कर बताया ''घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या लगातार नई ऊंचाई को छू रही है। दस जून को 17वें दिन कुल 712 उड़ानें रवाना हुईं जिनमें 70 हजार 959 यात्रियों ने सफर किया। दो महीने बंद रहने के बाद हवाई यात्री परिवहन दुबारा शुरू होने के बाद से यह उड़ानों और यात्रियों की सर्वाधिक संख्या है। इन 17 दिनों में उड़ानों की संख्या दूसरी बार सात सौ के पार पहुँची है जबकि यात्रियों की संख्या पहली बार 70 हजार के पार पहुँची है। इससे पहले मंगलवार को कुल 655 उड़ानें रवाना हुईं जिनमें 60 हजार 845 यात्रियों ने सफर किया था। कोविड-19 महामारी का संक्रमण नियंत्रित करने के लिए सरकार ने 25 मार्च से देश में घरेलू उड़ानों के परिचालन पर रोक लगा दी थी। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का परिचालन 22 मार्च से ही बंद है। केंद्र सरकार ने नये दिशा-निर्देशों के साथ 25 मई से एक-तिहाई घरेलू यात्री उड़ानों के परिचालन की अनुमति दी है।

RTI में हुआ खुलासा, PNB ने ग्राहकों से कमाए 268 करोड़ रुपए

बिजनेस डेस्क: देश के दूसरे बड़े सरकारी बैंक पंजाब नेशनल बैंक (PNB) ने ग्राहकों से 268 करोड़ रुपए की कमाई की है। ये खुलासा सूचना के अधिकार (RTI) से हुआ है। जानकारी के मुताबिक पीएनबी ने समाप्त वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान एटीएम लेनदेन शुल्क और डेबिट कार्ड पर सालाना रख-रखाव शुल्क के तौर पर 268 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त की है। सार्वजनिक क्षेत्र के इस बैंक ने ग्राहकों के डेबिट कार्ड पर सालाना रखरखाव शुल्क के तौर पर 152.88 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त की है। इसके साथ ही बैंक ने एटीएम के जरिए किए जाने वाले लेनदेन पर लगने वाले शुल्क से 115.21 करोड़ रुपए की आय हासिल की है।

RTI में हुआ खुलासा

मध्य प्रदेश स्थित आरटीआई कार्यकर्ता चंद्र शेखर गौड़ को सूचना के अधिकारी कानून के तहत मांगी गई जानकारी में यह सूचना प्राप्त हुई है। इसमें कहा गया है कि किसान क्रेडिट कार्ड, मुद्रा, प्रधानमंत्री जनधन योजना और अन्य सरकारी योजनाओं के तहत जारी किए जाने वाले कार्ड पर सालाना रखरखाव शुल्क शून्य रहा है।

मिनिमम बैलेंस नहीं रखने पर जुर्माना नहीं

वर्ष 2019-20 के दौरान बैंक खातों में मिनिमम बैलेंस नहीं रखने के मामले में जुटाई गई राशि के बारे में पूछे गए सवाल पर बैंक ने कहा पीएनबी में मिनिमम एवरेज बैलेंस नहीं रखे जाने के मामले में जुर्माना वसूलने का कोई प्रावधान नहीं है। बहरहाल, बैंक ने खाली पदों के बारे में और अप्रैल 2020 की स्थिति के अनुसार कितने पदों को मंजूरी दी गई है इस बारे में जानकारी देने से इनकार कर दिया।

भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी ताकत को देखते हुए देश बेहतर रेटिंग का है हकदार: मुख्य आर्थिक सलाहकार

नयी दिल्ली। मुख्य आर्थिक सलाहकार कृष्णमूर्ति सुब्रमणियम ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी ताकत को देखते हुए देश बेहतर क्रेडिट रेटिंग का हकदार है। उन्होंने यह बात दो अंतरराष्ट्रीय साख प्रमाणन एजेंसियों के भारत संबंधीहाल के निर्णयों को देखते हुए विशेष महत्व की है। रेटिंग एजेंसी मूडीज द्वारा देश की साख कम किये जाने और एस एंड पी के निम्न निवेश स्तर पर बरकरार है। सुब्रमणियम ने एक तरह से भारत की साख को बेहतर किये जाने की वकालत करते हुए कहा कि भारत की देनदारी चुकाने की क्षमता, इच्छा असंदिग्ध है, यह सोने की तरह खरा है। सुब्रमणियम ने संतोष जताते हुए कहा कि भारत के सुधारों को रेटिंग एजेंसियों ने स्वीकार किया है और अगले साल उच्च आर्थिक वृद्धि दर के लिये ये महत्वपूर्ण तत्व हैं। इस साल आर्थिक वृद्धि के बारे में उन्होंने कहा कि यह इस बात पर निर्भर करेगी कि हालात कब ठीक होते हैं और पुनरूद्धार कब शुरू होता। यह फिलहाल अनिश्चित है कि पुनरूद्धार दूसरी छमाही में शुरू होता है या फिर अगले साल। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि वित्त मंत्रालय इस साल के लिये आर्थिक वृद्धि के कई तरह के अनुमानों पर काम कर रहा है। वृद्धि में सुधार चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में शुरू होगा या अगले साल, उम्मीदें इस आधार पर भी निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय ने घाटे के वित्त पोषण के लिये अतिरिक्त मुद्रा की छपाई जैसे विभिन्न विकल्पों के नफा-नुकसान पर गौर किया है। ''हम सभी उपायों पर विचार कर रहे हैं, उसका आकलन करेंगे।'' निजीकरण की नीति के बारे में उन्होंने कहा कि बैंक रणनीतिक क्षेत्र का हिस्सा होगा और सरकार रणनीतिक तथा गैर-रणनीतिक क्षेत्रों को चिन्हित करने की दिशा में काम कर रही है।

ब्रिटेन की अदालत ने नीरव मोदी को 9 जुलाई तक हिरासत में भेजा

लंदन: ब्रिटेन की एक अदालत ने भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी को बृहस्पतिवार को नौ जुलाई तक और न्यायिक हिरासत में रखने के आदेश दिए। भारत में अरबों रुपए के बैंक कर्ज घोटाले और मनी लांड्ररिंग के मामलों में अभियुक्त नीरव मोदी पिछले साल मई से लंदन की एक जेल में कैद है। नीरव मोदी को जेल से लंदन की वेस्टमिंस्टर अदालत में वीडियो लिंक के जरिए पेश किया गया। वह पिछले साल मार्च में गिरफ्तारी के बाद से वैंड्सवर्थ जेल में है। अदालत ने सुनवाई में उसकी हिरासत की अवधि नौ जुलाई तक बढ़ा दी। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ करीब दो अरब डॉलर की धोखाधड़ी के मामले में नीरव मोदी के खिलाफ ब्रिटेन में प्रत्यर्पण का मुकदमा चल रहा है। उसके प्रत्यर्पण के मामले पर सात सितंबर को सुनवाई होने वाली है। तब तक उसे हर 28 दिन इसी तरह सुनवाई के लिए पेश किया जाएगा। जिला न्यायाधीश सैमुअल गूजी ने नीरव मोदी से कहा, 'आपके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया के संबंध में 7 सितंबर को होने वाली अगले चरण की सुनवाई से पहले आप की पेशी इसी तरह से वीडियो लिंक के जरिए होगी।'' इस दौरान नीरव मोदी ने सिर्फ अपना नाम और राष्ट्रीयता बताने के लिए मुंह खोला। वह (नीरव मोदी) सुनवाई के दौरान कागज पर कुछ लिख रहा था। न्यायाधीश गूजी ने प्रत्यर्पण की प्रक्रिया के पहले चरण की पिछले महीने अध्यक्षता की थी। दूसरे चरण के तहत सात सितंबर से पांच दिन की सुनवाई शुरू होगी।

1.5 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप वाली अमेरिका की पहली कंपनी बनी एप्पल

सैन फ्रांसिस्को:

एप्पल 1.5 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप पर पहुंचने वाली पहली अमेरिकी कंपनी बन गई है। निवेशकों और विश्लेषकों के अनुसार, ऐप स्टोर की बिक्री, एआरएम चिप पर काम करने वाला मैक सिस्टम और 5जी आईफोन की वजह से एप्पल के शेयरों में उछाल देखने को मिल रहा है। मैक रुमर्स की रिपोर्ट के अनुसार, एप्पल के प्रति शेयर की मौजूदा कीमत 352 डॉलर है। वहीं, कंपनी के कुल 4.3 बिलियन शेयरों की कीमत से मार्केट कैप बुधवार को 1.53 ट्रिलियन डॉलर हो गया।

2 ट्रिलियन डॉलर की तरफ बढ़त रही एप्पल

हाल ही में मार्केट रिसर्च फर्म एवरकोर आईएसआई ने पूर्वानुमान के अनुसार आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल 2 ट्रिलियन डॉलर मार्केट कैप वाली कंपनी बनने की तरफ बढ़ रही है। फर्म की रिपोर्ट के वक्त एप्पल का मार्केट कैप 1.4 लाख करोड़ डॉलर के करीब था।

अगस्त, 2018 में बनी थी 1 ट्रिलियन डॉलर वाली कंपनी

अगस्त, 2018 में एप्पल का शेयर 5.89 डॉलर मजबूत होकर 207.39 डॉलर पर पहुंच गए थे। जिससे कंपनी का मार्केट कैप एक हजार अरब डॉलर यानी 1 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच गया था। उस वक्त ऐसा करने वाली ये पहली लिस्टेड कंपनी थी।

सर्विसेज बिजनेस से हो रहा फायदा

एलानिस्ट का मानना है कि वियरेबल्स बिजनेस में एप्पल एयरपॉड्स और एप्पल वॉच की मदद से कंपनी को 60 बिलियन डॉलर के ग्रोथ की उम्मीद है। अगले चार वर्षों में कंपनी का सर्विसेज बिजनेस 100 बिलियन डॉलर तक बढ़ सकता है। विश्लेषकों को उम्मीद है कि

कंपनी अपने स्टॉक वापस खरीदेगी। बैरॉन मैगजीन के एनालिस्ट अमित दरयानी ने लिखा कि अगर स्टॉक की कीमत 550 डॉलर हो जाए तो उसका मार्केट कैप 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा।

कोरोनावायर की वजह से एप्पल की सप्लाई प्रभावित हुई है। ऐसे में कंपनी अपनी सर्विसेज पर ज्यादा फोकस कर रही है। इससे कंपनी के शेयर में साल-दर-साल 17 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। इस साल की मार्च तिमाही में कंपनी ने 13.3 बिलियन डॉलर के रेवन्यू का नया रिकॉर्ड स्थापित किया है।

कंपनी ने अपनी सर्विसेज कैटेगरी जैसे ऐप स्टोर, एप्पल म्यूजिक, वीडियो, क्लाउड सर्विस, एड बिजनेस, एप्पल केयर, एप्पल टीवी प्लस, एप्पल आर्केड, एप्पल न्यूज प्लस और एप्पल कार्ड ने रेवेन्यू में नए रिकॉर्ड बनाए हैं।

ऑटोमोबाइल उद्योग पर लॉकडाउन की जबरदस्त मार, मई में यात्री वाहनों की बिक्री 87 प्रतिशत घटी

नई दिल्ली:

कोरोना वायरस की वजह से लागू लॉकडाउन का बुरा असर यात्री वाहनों की बिक्री पर पड़ा है। वाहन डीलरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के अनुसार मई में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 86.97 प्रतिशत घटकर 30,749 इकाई रह गई। मई, 2019 में यह 2,35,933 इकाई थी।

फाडा द्वारा 1,435 में से 1,225 क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (आरटीओ) से वाहनों के पंजीकरण के आंकड़े जुटाए जाते हैं। आंकड़ों के अनुसार मई में दोपहिया की बिक्री 88.8 प्रतिशत घटकर 1,59,039 इकाई रह गई, जो एक साल पहले समान महीने में 14,19,842 इकाई थी। इसी तरह वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 96.63 प्रतिशत घटकर मात्र 2,711 इकाई रही, जो मई, 2019 में 80,392 इकाई थी। तिपहिया की बिक्री भी 96.34 प्रतिशत घटकर 1,881 इकाई रह गई, जो एक साल पहले समान महीने में 51,430 इकाई थी। मई में विभिन्न श्रेणियों में वाहनों की कुल बिक्री 88.87 प्रतिशत घटकर 2,02,697 इकाई रह गई, जो मई, 2019 में 18,21,650 इकाई थी। फाडा के अध्यक्ष आशीष हर्षराज काले ने कहा, ''मई के अंत में 26,500 आउटलेट्स में से करीब 60 प्रतिशत शोरूम और 80 प्रतिशत वर्कशॉप परिचालन में थीं। मई के पंजीकरण आंकड़े मांग की सही स्थिति को नहीं दर्शाते हैं, क्योंकि देश के कई हिस्सों में इस दौरान लॉकडाउन जारी था।'' उन्होंने कहा कि जून के पहले दस दिन में कई डीलरशिप खुलने के बावजूद मांग काफी कम है।

कंपनियों के निदेशकों को दिए जाने वाले वेतन पर नहीं लगेगा GST

नई दिल्ली: केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने बुधवार को कहा कि कंपनियों के कर्मचारी के तौर पर काम कर रहे निदेशकों को दिए जाने वाले वेतन पर जीएसटी नहीं लगाया जाएगा। सीबीआईसी को यह स्पष्टीकरण राजस्थान अथारिटी आफ एडवांस रूलिंग (एएआर) का अप्रैल में एक आदेश आने के बाद जारी करना पड़ा। एएआर ने इस आदेश में कहा कि कंपनियों को उनके निदेशकों को दिए जाने वाले मेहनताने पर जीएसटी का भुगतान करना होगा। सीबीआईसी ने कहा है कि जहां कंपनी के निदेशकों का मेहनताना उन्हें पेशेवर की फीस के तौर पर दिया जाता है, वेतन के तौर नहीं, ऐसे मामलों में 'रिवर्स चार्ज' के आधार पर जीएसटी लगाया जाएगा (क्रेता खुद कर लगा कर उसे सरकार करता है।) सीबीआईसी ने कहा है कि जहां निदेशकों के पारितोषिक को कंपनी के खातों में 'वेतन' के तौर पर घोषित किया गया है और इस पर आयकर कानूनल की धारा 192 के तहत टीडीएस काटा जाता है। निदेशकों को ऐसे भुगतान कर योग्य नहीं है। इसे केनद्रीय जीएसटी कानून 2017 की अनुसूची-तीन के तहत एक कर्मचारी द्वारा अपने नियोक्ता के लिए दी गई सेवाओं के तौर पर कर योग्य नहीं माना जा सकता है। सीबीआईसी ने कहा है कि जहां तक स्वतंत्र निदेशकों को किए गए भुगतान की बात है जो कि कंपनी के कर्मचारी नहीं हैं।

AGR मामला- SC ने खत्म किया PSU का 4 लाख करोड़ का बकाया, DoT को लगाई फटकार

नई दिल्ली:

सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू (AGR) मामले पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने टेलीकॉम कंपनियों को बड़ी राहत दी तो वहीं डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकॉम को फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि टेलीकॉम डिपार्टमेंट किस आधार पर टेलीकॉम कंपनियों से बकाए की डिमांड रखी है उसे बताए।

वहीं कोर्ट ने टेलीकॉम कंपनियों को पेमेंट के रोडमैप पर जवाब देने का निर्देश दिया गया। टेलीकॉम कंपनियों से लिखित तौर पर जवाब मांगा गया है कि वो बकाया-त्रक्र का पेमेंट करेंगी। सुनवाई की शुरुआत करते ही सुप्रीम कोर्ट ने दूरसंचार विभाग से सवाल किया कि उन्होंने सरकारी कंपनियों से डिमांड कैसे की है।

वहीं सुप्रीम कोर्ट इस मामले में अगली सुनवाई 18 जून को करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने टेलीकॉम कंपनियों को हलफनामा दाखिल कर बताने को कहा कि वो बकाया का भुगतान कैसे करेंगे, इसकी जानकारी दे और समयसीमा भी बताए। वहीं कोर्ट ने टेलीकॉम विभाग को कहा कि वो सार्वजनिक उपक्रम (PSU) पर 4 लाख करोड़ के बकाया मांगने के मुद्दे पर फिर से विचार करें। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस मिश्रा, जस्टिस एस अब्दुल नाजीर और जस्टिस एमआर शाह ने सुनवाई करते हुए कहा कि दूरसंचार विभाग को पीएसयू से एजीआर की बकाया राशि की मांग वापस लेने पर विचार करना होगा। कोर्ट ने सरकारी टेलीकॉम कंपनियों के पक्ष में अपनी बात कहते हुए दूरसंचार विभाग को फटकार लगाई और कहा कि पीएसयू से एजीआर बकाए के रूप में 4 लाख करोड़ रुपए की मांग अनुचित है।

जीएसटी परिषद की बैठक आज, राज्यों को मुआवजे के लिए धन जुटाने पर होगी चर्चा

नई दिल्ली:

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की शुक्रवार को होने वाली बैठक में कर राजस्व पर कोविड-19 के प्रभाव पर विचार-विमर्श किया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि इस बैठक में राज्यों को मुआवजे के भुगतान की रूपरेखा पर फैसला हो सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अगुवाई में जीएसटी परिषद की 40वीं बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होगी। इसमें राज्यों के वित्त मंत्री भी भाग लेंगे। इसके अलावा परिषद अगस्त, 2017 से जनवरी, 2020 के दौरान जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं करने के लिए विलंब शुल्क को माफ करने पर भी विचार करेगी। हालांकि, इस बैठक में कर दरों में बदलाव पर कोई चर्चा नहीं होगी, लेकिन समझा जाता है कि परिषद जीएसटी के क्रियान्वयन से राज्यों को होने वाले राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए कोष जुटाने के तरीकों पर विचार करेगी। सूत्रों ने कहा कि बैठक में कोरोना वायरस की वजह से केंद्र और राज्यों के राजस्व पर पड़े प्रभाव की समीक्षा होगी। साथ ही इसकी भरपाई के उपायों पर भी विचार किया जाएगा। कर संग्रह में कमी तथा जीएसटी रिटर्न दाखिल करने की तारीख आगे बढ़ाने की

वजह से सरकार ने अप्रैल और मई माह के जीएसटी संग्रह के आंकड़े जारी नहीं किए हैं। जीएसटी परिषद की इससे पिछली 14 मार्च को हुई बैठक सीतारमण ने कहा था कि केंद्र सरकार मुआवजे की जरूरत को पूरा करने के लिए जीएसटी परिषद द्वारा बाजार से कर्ज जुटाने की कानूनी वैधत पर गौर करेगी। जीएसटी कानून के तहत राज्यों को एक जुलाई, 2017 से जीएसटी के क्रियान्वयन के बाद पहले पांच साल तक राजस्व नुकसान की भरपाई की गारंटी दी गई है।

कोरोना काल में मोदी सरकार ने दी कारोबारियों को बड़ी राहत, ई-वे बिल की वैधता बढ़ाई

बिजनेस डेस्क:

मोदी सरकार की तरफ से कोरोना काल में कारोबारियों को एक बड़ी राहत दी गई है। इस राहत के तहत उन ई-वे बिलों की वैधता 30 जून तक के लिए बढ़ा दी गई है, जो 24 मार्च से पहले निकाले गए हैं और उनकी वैधता 20 मार्च या उसके बाद खत्म हो गई है। बता दें कि पहले ये अवधि 30 अप्रैल तक के लिए बढ़ाई गई थी, फिर बाद में इसे 30 मई तक के लिए बढ़ाया गया और अब इसे 30 जून तक के लिए बढ़ा दिया गया है।

क्या कहा गया है नोटिफिकेशन में?

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) ने एक नोटिफिकेशन भी जारी करते हुए कहा है, 24 मार्च 2020 को या उससे पहले जो ई-वे बिल बनाए गए हैं और उनकी वैधता 20 मार्च को या इसके बाद खत्म हो चुकी है, ऐसे ई-वे बिल अब 30 जून 2020 तक वैध हैं। बता दें कि ई-वे बिल उन लोगों को लेना होता है, जो 50 हजार रुपए से ज्यादा की कीमत का सामान ट्रांसपोर्टर के जरिए सप्लाई करते हैं।

रिफंड खारिज करने के लिए भी 30 जून तक का समय

एक अन्य नोटिफिकेशन में सीबीआईसी ने रिफंड को खारिज करने के लिए भी 30 जून तक का समय दे दिया है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इससे टैक्स अधिकारियों के पास गुणवत्ता पूर्ण ऑर्डर जारी करने के लिए काफी समय होगा। टैक्सपेयर्स को भी उसकी बात सुनने के लिए पूरा मौका मिल सकेगा।

इससे पहले एसएमएस सेवा भी की थी शुरू

हाल ही में मोदी सरकार ने जीरो मासिक जीएसटी रिटर्न भरने वाले कारोबारियों के लिए एक SMS सेवा भी शुरू की है। हालांकि, ये सुविधा सिर्फ उन लोगों के लिए है जिनका मासिक जीएसटी रिटर्न शून्य है। इससे करीब 22 लाख रजिस्टर्ड टैक्सपेयर्स को फायदा होगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रोज नहीं खाएं अण्डे

अगर आप रोजाना अंडे खा रहे हैं तो इनको खाना छोड़ दीजिए। नए शोध में पता चला है कि जो रोज अंडे खाते हैं वह बीमार जल्द पड़ते हैं। अंडे का सेवन डॉक्टर की सलाह से ही करना चाहिए।

क्या यह सच है कि अगर सेहत बनानी हो तो रोज अंडे पेट में उतार लिया करो। जबकि सच्चाई यह है कि ऐसा करना आ बैल मुझे मार जैसी बात कहना है, क्योंकि बिना डॉक्टर से पूछे किसी को भी अंडे खाने ही नहीं चाहिए। खासकर, शुगर, हाई बीपी, कोलेस्ट्रॉल, हार्ट के पेशेंट्स और मोटापे वालों को तो अंडों से दूर ही रहना चाहिए, क्योंकि अंडे उनके रोग को और बढ़ा सकते हैं।

सेहत के लिए ठीक नहीं

डॉक्टरों का कहना है कि इस बारे में 1999 में जर्नल ऑफ मेडिकल एसोसिएशन में बॉस्टन के हावर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हैल्थ के न्यूट्रीशन विभाग के डॉ. हू. एफ बी एंड ग्रुप की रिपोर्ट में कहा गया था कि बीपी, हार्ट, शुगर और कोलेस्ट्रॉल के मरीजों के लिए अंडा खाना ठीक नहीं है, जबकि अभी तक इस बारे में एक भी भारतीय रिपोर्ट सामने नहीं आई कि रोज अंडे खाने से सेहत बनती है या आप स्वस्थ रहोगे। जबकि सबसे ज्यादा शुगर, बीपी आदि के मरीज भारत में ही हैं। इसलिए रोज अंडे खाना किसी भी तरह से ठीक नहीं है।

ज्यादा प्रोटीन खतरनाक

हृदय रोग विशेषज्ञों का कहना है कि एक अंडे में 213 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है यानी आठ से नौ चम्मच मक्खन के बराबर, क्योंकि एक चम्मच मक्खन में 25 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है। इसलिए सिर्फ शुगर, हाई बीपी और हार्ट पेशेंट्स को ही इन्हें दूर से सलाम नहीं करना चाहिए, बल्कि सामान्य सेहत वाले लोगों को भी अगर डॉक्टर प्रोटीन की जरूरत बताये, तभी खाना चाहिए।

विज्ञापनों में प्रचार गलत

प्रिवेंटिव हेल्थ कनसल्टेंट का कहना है कि रोज अंडे खाने की बात भ्रामक है। ऐसे विज्ञापनों से लगता है सेहत के लिए अंडा ही सब कुछ है बाकी चीजें नहीं। अंडे से बहुत ज्यादा फैट व चिकनाई मिलती है, जो कोलेस्ट्रॉल, दिल के दौरे, हाई बीपी और शुगर की तरफ धकेल सकता है। आजकल हर आदमी पूरी तरह स्वस्थ नहीं है, इसलिए डॉक्टर से पूछ कर ही अंडे लें।

ज्यादा कैलोरीज की जरूरत नहीं

अंडे में जितनी हाई कैलोरीज व कार्बोहाइड्रेट होती है, उतनी शरीर को जरूरत नहीं होती। अंडे को दवाई भी नहीं माना जा सकता। जितनी एनर्जी यह देता है, इससे तो शरीर को नुकसान ही होगा। अंडे से शरीर का अननेचरल विकास होने से शरीर अधिक बेडौल हो सकता है। किडनी व हार्ट के लिए तो नुकसानदायक है ही। अंडे से कार्य करने की क्षमता सिर्फ क्षणिक तौर पर बढ़ी हुई लगती है, पर स्ट मिना

एक अंडे में प्रोटीन

कैलोरीज - 78 एमजी
कोल- 78 एमजी
सोडियम - 62 एमजी
(इससे बीपी व हार्टबीट बढ़ सकती है)
फैट- 5.3 ग्राम
प्रोटीन- 6 ग्राम
फ्राइड किए जाने पर अंडे में कैलोरीज-100 और बढ़ जाती है।

नहीं बढ़ता। फार्मिंग से आए अंडे तो केमिकल की वजह से ज्यादा दूषित या जहरीले हो जाते हैं। गर्मियों में पाचन वीक होता है। ऐसे में सामान्य तौर पर ज्यादा कैलोरी व गरिष्ठ होने के कारण अंडे और ज्यादा नुकसानदायक हैं।

दालों में भरपूर प्रोटीन

विशेषज्ञ कहते हैं कि प्रोटीन के लिए तो सभी तरह की दालें, पनीर व दूध से बनी चीजें अंडे का विकल्प होती हैं। अंडों की जगह उनका इस्तेमाल करें। दूध या स्किम्ड मिल्क, मूंगफली, ड्राई फ्रूट में अखरोट, बादाम, काजू व हरी सब्जियां, दही, सलाद और फल भी ले सकते हैं। जीव-जंतुओं से प्राप्त भोजन से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है, जबकि पेड़-पौधों से मिलने वाले भोजन से नहीं बढ़ता।

कौन खा सकता है अंडे

डॉक्टरों का कहना है कि बिना जरूरत के अंडे खाना लकवे, नपुंसकता, पैरों में दर्द, कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना, मोटापे और हार्ट की आर्टरीज में ब्लॉकेज को न्यौतना है। नॉर्मल लोग भी खाएं तो हर छह महीने पर कोलेस्ट्रॉल की जांच कराते रहें। हां,

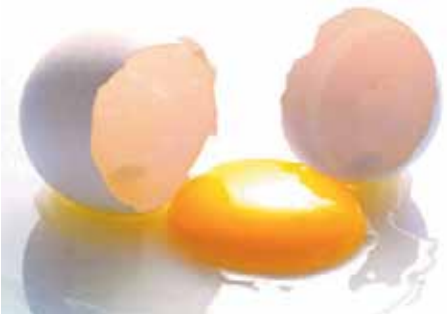

जिसको हाई प्रोटीन डाइट की जरूरत हो वे अंडा ले सकते हैं, पर वह भी तब, जब वे पहले से अंडा खाते आ रहे हों। कम वजन वालों, बीमारी के बाद बहुत कमजोर हो गए और टीबी के मरीजों को प्रोटीन की जरूरत होती है, उन्हें खाने के लिए बताया जा सकता है। आम स्वस्थ व्यक्ति के लिए भी डॉक्टर की राय से ही एक अंडा रोज खा सकते हैं।

आम आदमी रोज अंडा नहीं खाएं

वैसे, आम आदमी को अंडा नहीं खाना चाहिए, क्योंकि एक प्रतिशत कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से दो प्रतिशत हार्ट अटैक की आशंका बढ़ जाती है। शुगर या मधुमेह, हाई बीपी, हार्ट पेशेंट्स, मोटापे से पीड़ित और कोलेस्ट्रॉल के रोगियों को डॉक्टर ही जांच के बाद बता सकता है कि उनके शरीर को अंडों की जरूरत है या नहीं।

अंडे में अमीनो एसिड अधिक

अंडे में सेलीनियम, बीटा केरोटीन और लेसिथिन जैसे अमीनो एसिड होते हैं, जो एंटी ऑक्सीडेंट का काम करते हैं। हार्ट को प्रोटेक्ट करने के लिए अच्छे हैं, परन्तु एक तो अंडे से मिलने वाले कोलेस्ट्रॉल के मुकाबले में ये एसिड इतने कम होते है कि हार्ट को ज्यादा सुरक्षा दे नहीं पाते, दूसरे ये तभी काम कर पाते हैं, जबकि व्यक्ति में कोलेस्ट्रॉल और बाकी लेवल नॉर्मल हों।

बढ़ जाता है यूरिक एसिड

पालक, पनीर, मीट, मटर व दालों आदि प्रोटीन के सभी स्रोतों में यूरिक एसिड ज्यादा होता है। अगर डॉक्टर कोलेस्ट्रॉल और यूरिक एसिड लेवल सही घोषित करके बताये कि आपको प्रोटीन की जरूरत है, तभी अंडे लें वरना कोलेस्ट्रॉल और यूरिक एसिड के अंदर ही अंदर बढ़ने का पता भी नहीं चलेगा। ऐसा तो नहीं है कि एक व्यक्ति दिन में सिर्फ एक अंडा ही खाएगा। उसके भोजन में और चीजें भी शामिल होंगी, उनसे भी कैलोरीज व कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ेगा।

सफेद भाग खाना अच्छा

अंडे का सफेद भाग ही खाना ठीक है, क्योंकि उसमें प्रोटीन होता है। एक अंडे में 80 कैलोरीज होती हैं, 50 पीले हिस्से में और 30 सफेद में। 40 से ज्यादा उम्र के लोग अंडे का पीला हिस्सा या योक न खाएं, क्योंकि उसी में कैलोरीज, फैट व कोलेस्ट्रॉल ज्यादा होने के कारण सेहत की समस्याएं हो सकती हैं, जबकि सफेद हिस्से में प्रोटीन ही होता है।

ये आहार नहीं बढ़ने देंगे आपका वजन

संतुलित वजन यानी स्वनस्थ शरीर। इसलिए वजन कम रखने की चाहत हर किसी की होती है। कुछ लोग डायटिंग और एक्सइरसाइज की मदद से अपना वजन तो कम करते हैं, लेकिन कुछ दिन बाद उनका वहीं पुराना हाल हो जाता है। कम हुआ वजन दोबारा से न बढ़ें इसके लिए जरूरी है संतुलित आहार और सही जानकारी।

वजन घटाने वाले आहारआपको यह जानकारी होनी चाहिए कि किस प्रकार का आहार आपके कम हुए वजन को बरकरार रखने में मददगार साबित होगा। यदि आप भी वजन को कंट्रोल में रखना चाहते हैं तो सबसे पहले रेस्टोरेंट आदि के खाने से बचना चाहिए। इस लेख के जरिए हम आपको बता रहे हैं अपनी डायट में शामिल करने वाले ऐसे आहारों के बारे में जिनसे शरीर को प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा तो मिलेगी ही और आपका वजन भी नियंत्रित रहेगा।

अंडा

अंडे में भरपूर मात्रा में प्रोटीन होती है। इसका सेवन आपको लंबे समय तक भोजन की जरूरत से दूर रखता है। अंडा खाने से ब्लड शुगर होने का खतरा भी कम रहता है। ब्लड शुगर वाले रोगियों को खाने की तीव्र इच्छा होती है। सामान्य से अधिक वजन वाली 30 महिलाओं पर किए गए अध्ययन से साफ हो चुका है नाश्ते में कोर्नफ्लैक्स खाने वाली महिलाओं के मुकाबले अंडा खाने वाली महिलाओं ने अगले 36 घंटे तक भोजन का कम मात्रा में सेवन किया। अंडे का सेवन आपको लंबे समय तक भूख से राहत देता है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी का सेवन वजन कम करने वाले तरल पदार्थ के रूप में किया जाता है। एंटीऑक्सीडेंट होने के कारण ग्रीन टी वसा को तेजी के साथ कम करने में मदद करती है। यह बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) को सही रखने के साथ ही एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को भी कम रखती है। एलडीएल कोलेस्ट्रॉल या बेड कोलेस्ट्रॉल की मौजूदगी से शरीर का वजन बढ़ता है।

सलाद

लंच के साथ सलाद खाने से कैलोरी की मात्रा नियंत्रित रहती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक सलाद के सेवन से आपको भूख कम लगती है। इसके अलावा इसमें विटामिन सी, विटामिन ई, फोलिक एसिड और लाइकोपीन होता है। इन सभी की मौजूदगी शरीर पर चर्बी जमने से रोकती है।

मसूर की दाल

मसूर की दाल के सेवन से भी व्यक्ति मोटापे से बचा रहता है। इसे खाने से शरीर में इन्सुलिन की पर्याप्त मात्रा बनी रहती है। बाजार में मसूर की दाल कई तरह की आती है, लेकिन लाल और पीली दाल 15 से 20 मिनट में तैयार हो जाती है। इसे यदि पास्ता सॉस के साथ पकाया जाएं तो यह हार्ट के लिए भी फायदेमंद होती है।

अनार

अनार का जूस आपको हर तरह से स्वस्थ बनाता है। इसमें कम कैलोरी और फाइबर की अधिक मात्रा होती है। इसके सेवन से शरीर में एनर्जी आती है और भूख का कम अहसास होता है।

सेब

वजन को नियंत्रित करने के लिए सेब का सेवन बहुत ही फायदेमंद है। यदि आप नियमित तौर पर एक सेब खाने की आदत बना लेते हैं तो यह आपके वजन को तो कंट्रोल करेगा ही, साथ ही आपको फिट भी रखेगा।

सूप

एक कप चिकन सूप पीने से चिकन पीस खाने के बराबर एनर्जी मिलती है। चिकन सूप पीने से भूख का अहसास कम होता है और शरीर में एनर्जी बनी रहती है। इसी कारण इसे पीने के बाद व्यक्ति खाने की तरफ कम भागता है।

बीन्स

बीन्स का सेवन वजन कम रखने में बहुत मददगार है। बीन्स में फाइबर पाया जाता है। शरीर में फाइबर की मात्रा बने रहने पर भूख का अहसास कम होता है। फाइबर ज्यादा मात्रा में होने पर कोलेस्ट्रॉल की मात्रा भी कम रहती है।

फ्रेंचबीन से फटाफट सेहत

बीन्स एक ऐसी सब्ज़ी है जो कि अमेरिकन, मेक्सिकन, चाईनीज़, जापानी, उत्तरी व दक्षिणी भारतीय, यूरोपियन आदि तरह के भोजन में सामान्यतः मिलती है। आप सलाद लें या स्टारटर्स, सूप से लेकर बर्गर टिक्की तक हर जगह बीन्स (फलियां) किसी न किसी रूप में आपको नजर आ जाएंगी।

सूखी व हरी दोनों ही प्रकार की बीन्स भोजन का एक आवश्यक व पौष्टिक हिस्सा हैं। बीन्स बीमारी को ठीक करने के बहुत काम आती है। बीन्स की हरी पौध सब्जी के रूप में खाई जाती है तथा सुखाकर इसे राजमा, लोबिया इत्यादि के रूप में खाया जाता है। अमेरिका तथा अफ्रीका के कुछ भाग में तो बीन्स को प्रोटीन का मुख्य स्रोत माना जाता है। हरी बीन्स या सामान्य भाषा में फ्रेंच बीन्स में मुख्यतः पानी, प्रोटीन, कुछ मात्रा में वसा तथा कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन, कैरोटीन, थायमीन, राइबोफ्लेविन, नियासीन, विटामिन-सी आदि तरह के मिनरल और विटामिन मौजूद होते हैं।

कोशिकाओं के लिए फायदेमंद

राइबोफ्लेविन को विटामिन बी-2 के नाम से यादा जाना जाता है, विटामिन बी-2 शरीर की कोशिकीय प्रक्रियाओं के लिए बहुत ही आवश्यक घटक है। बीन्स विटामिन बी-2 का मुख्य स्रोत होते हैं। प्रति सौ ग्राम फ्रेंच बीन्स से तकरीबन 26 कैलोरी मिलती है। राजमा में यही सब ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। इसलिए प्रति सौ ग्राम राजमा से 347 कैलोरी मिलती है। बीन्स सोल्युबल फाइबर का अच्छा स्रोत होते हैं और इस कारण हृदय रोगियों के लिए बहुत ही फायदेमंद हैं।

ऐसा माना जाता है कि एक कप पका हुआ बीन्स रोज खाने से रक्त में

कोलेस्टेरोल की मात्रा 6 हफ्ते में 10 प्रतिशत कम हो सकती है और इससे हृदयाघात का खतरा भी 40 प्रतिशत तक कम हो सकता है। बीन्स में सोडियम की मात्रा कम तथा पोटेशियम, कैल्सियम व मेग्नीशियम की मात्रा अधिक होती है और लवणों का इस प्रकार का समन्वय सेहत के लिए लाभदायक है। इससे रक्तचाप नहीं बढ़ता तथा हृदयाघात का खतरा टल सकता है।

शकर का स्तर नहीं बढ़ता

बीन्स का ग्लाइसेमिक इन्डेक्स कम होता है इसका अभिप्राय यह है कि जिस तरह से अन्य भोज्य पदार्थों से रक्त में शकर का स्तर बढ़ जाता है, बीन्स खाने के बाद ऐसा नहीं होता। बीन्स में मौजूद फाइबर रक्त में शकर का स्तर बनाए रखने में मदद करते हैं। और बीन्स की इस खासियत की वजह से मधुमेह के रोगियों को बीन्स खाने की सलाह देते हैं।

किडनी में लाभकारी

किडनी में पथरी के लिए 60 ग्राम बीन्स की पौध लेकर इसे चार लीटर पानी में चार घंटे तक उबाल लें। फिर इसके पानी को कपड़े से छान लें और छने हुए पानी को करीब आठ घंटे तक ठंडा होने के लिए रख दें। अब इसे फिर से छान लें। दिन में दो-दो घंटे से पीयें। लाभ होगा।

मौसम करे बीमार रसोई करे उपचार

बीते दिनों मौसम में काफी बदलाव देखने को मिला। आंधी, बारिश और हल्की ठंडक ने हमारी दिनचर्या के साथ सेहत को भी खराब किया। किसी का गला बैठ गया तो किसी को जी मिचलाने की शिकायत होने लगी। क्या आप जानते हैं कि ऐसी छोटी-मोटी मौसमी शिकायतों के समाधान आपकी रसोई में मौजूद हैं। जब भी मौसम बदलने के कारण आपका पाचन तंत्र गड़बड़ाए, आपको जी मिचलाने या उल्टी की शिकायत महसूस हो तो आप दालचीनी और अदरक का सेवन करके राहत पा सकते हैं। अदरक जी मिचलाने की सबसे कारगर दवा मानी जाती है। जबकि दालचीनी उल्टी रोकने के लिए बेहतरीन घरेलू दवा है। अगर आप इन्हें सीधे-सीधे न खा सकें तो एक कप गर्म पानी में उबाल कर इनका सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा सौंफ भी आपको इन बीमारियों से निजात दिला सकती है।

सौंफ से फायदा

एक चम्मच सौंफ को एक कप पानी में उबालें और सुखा कर खाएं। ये गले के लिए भी बेहतर है। अगर गले या सीने में कंजेशन जैसा महसूस हो तो भी सौंफ आराम दिला सकती है। सौंफ के साथ अजवाइन भी आराम पहुंचाती है।

अजवाइन

गर्म अजवाइन को सीने पर लगाने से भी कंजेशन खत्म होता है। मूली में नमक और चीनी मिला कर खाने से भी इस बीमारी में आराम मिलता है।

नमक

अगर जुकाम की वजह से नाक बंद हो गई हो तो गुनगुने पानी में नमक मिला कर इसकी कुछ बूंदें नाक में डालें। नाक की सफाई के लिए ये बढ़िया उपाय है।

शहद

अगर पेट में भारीपन की शिकायत हो तो एक चम्मच शहद में एक चम्मच नींबू का रस मिला कर पीने से आराम मिलेगा। अगर पेट खराब होने का अंदेशा हो तो दूध में हल्दी मिला कर पीने से आराम मिल सकता है। अगर सोते समय ठंड लगने की शिकायत महसूस हो तो लौंग, नींबू का रस गर्म पानी में मिला कर पिएं और सो जाएं। ठंड महसूस नहीं होगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

फ्रेंच ओपन की तैयारियों के लिए यूएस ओपन से हटने पर विचार कर रहे हैं जोकोविच

बेलग्रेड (सर्बिया)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच फ्रेंच ओपन की तैयारियों के लिये इस साल होने वाले यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट से हटने पर विचार कर रहे हैं। जोकोविच ने मंगलवार को सर्बिया के चैनल आरटीएस से कहा कि कोरोना वायरस के कारण न्यूयार्क में होने वाले ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के लिये परिस्थितियां काफी कड़ी होंगी। उन्होंने कहा, 'मैंने जितने खिलाड़ियों से बात की वे वहां जाने को लेकर आशंकित थे। अभी की परिस्थितियों को देखते हुए मैं सितंबर में क्ले कोर्ट पर टेनिस सत्र जारी रख सकता हूं।' कोविड-19 महामारी के कारण अन्य खेलों की तरह टेनिस प्रतियोगिताएं भी ठप्प पड़ी हैं। अधिकतर टूर्नामेंटों को जुलाई के आखिर तक रद्द कर दिया गया है। इनमें फ्रेंच ओपन भी शामिल है जिसे पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पिछले सप्ताह हो जाना था लेकिन उसे सितंबर तक स्थगित कर दिया गया। विंबलडन को 1945 के बाद पहली बार रद्द कर दिया गया है।

वैक्सीन आ जाने तक क्रिकेट अलग तरह का होगा : द्रविड़

नई दिल्ली।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ ने कहा है कि जब तक कोरोनावायरस की वैक्सीन नहीं आ जाती, तब तक क्रिकेट उससे अलग होगा, जिसके प्रशंसक और हितधारक आदी हैं। द्रविड़ ने सेनी टेन पिट शॉप के फेसबुक पेज पर कहा, जब तक वैक्सीन नहीं आ जाती और हमें पूरे विश्व को लेकर आत्मविश्वास नहीं हो जाता.. मैं कोई मेडिकल प्रोफेशनल नहीं हूं, लेकिन जो मैंने सुना है, वायरस लंबे समय तक नहीं जाने वाला है, लेकिन एक समय ऐसा आएगा, जब हम इससे और अच्छी तरह निपट सकेंगे। उन्होंने कहा, तब तक क्रिकेट काफी अलग होने वाला है। मुझे लगता है कि क्रिकेट कई मायनों में जीवन की परछाई है, इसिलए मैं इसे प्रभावित हुए बिना नहीं देख पा रहा हूं। द्रविड़ ने कहा कि जिस तरीके से खेल खेला जाता है, जश्न मनाने से लेकर ड्रेसिंग रूम के तौर तरीकों तक सब कुछ प्रभावित होने वाला है। अगले महीने इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है और इसी के साथ कोविड-19 के बीच क्रिकेट की वापसी होगी। यह सीरीज बायो सिक्योर वातावरण में खेली जाएगी। द्रविड़ ने इसे लेकर कहा, यह सीरीज अच्छा परीक्षण साबित होगी। यह देखना दिलचस्प होगा कि एक महीने के समय में क्या होता है। उम्मीद है कि यह आगे बढ़े और वह लोग सुरक्षा के साथ खेल सकें। यह हमें एक उदाहरण देगी कि चीजें कैसे हो सकती हैं। कोविड-19 के कारण आईसीसी ने नए नियम भी लागू किए हैं और उनमें से एक है गेंद को चमकाने के लिए सलाइवा पर बैन लगाना। इसे लेकर द्रविड़ ने कहा, काफी सारे लोग कह रहे हैं कि इंग्लैंड में अगर आप पसीने का इस्तेमाल करते हैं तो यह वही काम करेगा जो सलाइवा करता है। इसलिए गेंद को चमकाने से आपको रोका नहीं गया है। मेडिकल संबंधी लोगों ने कहा है कि वायरस पसीने के जरिए नहीं पहुंचेगा, लेकिन मैं इस बात को लेकर आश्वस्त नहीं हूं कि अगर पीसना काम नहीं करता है तो क्या वो कुछ अतिरिक्त पदार्थ का उपयोग करने की मंजूरी देंगे या नहीं।

कोरोना वायरस महामारी के कारण भारत का श्रीलंका दौरा रद्द

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम का सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए श्रीलंका का दौरा गुरुवार को रद्द कर दिया गया। दोनों बोर्ड का कहना है कि मैचों के आयोजन के लिए अभी स्थिति व्यावहारिक नहीं है। भारत को जून से श्रीलंका के खिलाफ उसकी सरजमीं पर तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और इतने ही टी20 मैचों की श्रृंखला खेलनी थी जो जुलाई तक चलनी थी। मैचों की तिथि को अंतिम रूप नहीं दिया गया था। सूत्रों का कहना है कि मौजूदा स्थिति में जुलाई में श्रीलंका का दौरा करना संभव नहीं है। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) की विज्ञप्ति में भी श्रृंखला के रद्द होने की पुष्ट की गई। एसएलसी ने कहा कि बीसीसीआई ने श्रीलंका क्रिकेट को सूचित किया है कि कोविड-19 महामारी को लेकर मौजूदा स्थिति को देखते हुए तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की क्रिकेट श्रृंखला का आयोजन व्यावहारिक नहीं होगा। श्रृंखला के रद्द होने की उम्मीद की जा रही थी क्योंकि भारतीय खिलाड़ियों ने अब तक ट्रेनिंग शुरू नहीं की है। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में तेजी से इजाफा हो रहा है। देश में इस संक्रमण से अब तक आठ हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

नई शिक्षा नीति में खेल होगा कोर्स का हिस्सा : रिजिजू

नई दिल्ली। खेल मंत्री किरण रिजिजू ने गुरुवार को कहा कि नई शिक्षा नीति में खेल कोर्स का अनिवार्य हिस्सा होंगे, इन्हें अतिरिक्त गतिविधियों में शामिल नहीं किया जाएगा। रिजिजू ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय खेल शिक्षा बोर्ड को तैयार करने के लिए एक समिति का गठन किया है। रिजिजू ने 21वीं शताब्दी में ओलिम्पज्म, ओलिम्पक शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार के पहले सत्र में कहा, भारत की नई शिक्षा नीति में खेल भी पढ़ाई का हिस्सा होंगे। यह अतिरिक्त गितिविधियों का हिस्सा नहीं होंगे। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा इसमें विश्वास किया है कि शिक्षा एक है, खेल एक है, और यह समान हैं। रिजिजू ने कहा कि खेल को एक वैकल्पिक विषय के रूप में नहीं देखा जा सकता। उन्होंने कहा, खेल भी शिक्षा है, इसिलए खेल अतिरिक्त गतिविधि नहीं हो सकते। इसलिए खेल को वैकल्पिक विषय नहीं माना जा सकता.. खेल शिक्षा का हिस्सा है, इसे मंजूर करना चाहिए। खेल मंत्री ने कहा, भारत की नई शिक्षा नीति अभी तक आधिकारिक तौर पर घोषित नहीं हुई है, लेकिन यह अपने अंतिम पड़ाव में है। मेरे मंत्रालय ने खेल को शैक्षिणक तंत्र का हिस्सा बनाए जाने के लिए राष्ट्रीय समिति में काफी मजबूती से अपनी बात रखी है।

क्लच इंटरनेशनल शतरंज - अरोनियन और करूआना भी पहुंचे सेमी फाइनल

सेंट लुईस ,

अमेरिका (निकलेश जैन) में चल रही 2 लाख 50 हजार अमेरिकी डॉलर की ऑनलाइन प्रतियोगिता क्लच इंटरनेशनल शतरंज में अब सेमी फ़ाइनल के चारों नाम तय हो गए है । सबसे ज्यादा रोमांचक और जोरदार मुक़ाबला देखने को मिला अर्मेनिया के पूर्व विश्व कप विजेता लेवोन अरोनियन और रूस के पूर्व विश्व ब्लिट्ज़ चैम्पियन अलेक्ज़ेंडर ग्रीसचुक के बीच । यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि इन दो मनोरंजक और रचनात्मक खिलाड़ियों के बीच का मैच वाकई काफी कड़ा था ,भले ही अरोनियन ने दो अंक की बढ़त के साथ सेमी फ़ाइनल में प्रवेश किया, लेकिन मैच किसी भी मोड़ पर जा सकता था। दोनों के बीच जब अंतिम छह मुकाबलों का खेल शुरू हुआ तो पहला मुक़ाबला ड्रॉ रहा और दूसरा ग्रीसचुक नें जीतकर वापसी के संकेत दिये तो तीसरे मैच मे आरोनियन नें जीतकर फिर बढ़त हासिल कर ली तो चौथा मुक़ाबला एक बार फिर ड्रॉ रहने से अंतिम दो दोहरे अंको के राउंड के पहले अरोनियन 7-5 से आगे चल रहे थे । पर क्लच राउंड मे पहला मुक़ाबला ग्रीसचुक नें जीतकर स्कोर 8-7 कर दिया और ऐसे मे अंतिम राउंड मे उन्हे सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी पर अरोनियन नें अंतिम क्लच राउंड जीतकर फ़ाइनल स्कोर 10-8 से आखिरकार सेमी

फ़ाइनल मे प्रवेश कर लिया । वही दूसरे मुक़ाबले मे अमेरिका के फबियानों करूआना के खिलाफ 5.5-2.5 से पीछे चल रहे अमेरिका के ही दोमिंगेज पेरेज नें आखिरी दिन बहुत ज़ोर लगाया पर फबियानों करूआना नें कभी भी उन्हे बढ़त नहीं बनाने दी । अंतिम छह मुकाबलों मे पहले सामान्य चार मे दो करूआना तो दो दोमिंगेज ने जीते जबकि अंतिम दो क्लच मुक़ाबले ड्रॉ रहे और इस तरह करूआना नें 10.5-7.5 से जीतकर सेमी फ़ाइनल मे जगह बनाई ।

अब सेमी फ़ाइनल मे नॉर्वे के मेगनस कार्लसन अर्मेनिया के लेवोन अरोनियन से तो अमेरिका के फबियानों करूआना हमवतन वेसली सो से मुक़ाबला खेलेंगे ।

संक्षिप्त समाचार

टी-20 विश्व कप पर फैसला टला: केन रिचर्डसन ने बताया यह फैसला इसलिए सही

सिडनी । आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज केन रिचर्डसन ने टी-20 विश्व कप को लेकर फैसला टालने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का समर्थन किया और कहा कि इस तरह के महत्वपूर्ण टूर्नामेंट को लेकर कोई भी निर्णय जल्दबाजी में नहीं किया जाना चाहिए। आईसीसी ने बुधवार को कहा कि वह आस्ट्रेलिया में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी-20 विश्व कप पर फैसला करने से पहले अभी एक महीने और इंतजार करेगा।

फैसला करने की कोई जल्दी नहीं

आस्ट्रेलियाई टी-20 टीम के अहम सदस्य रिचर्डसन ने कहा कि अभी फैसला करने में किसी तरह की जल्दी नहीं है। क्रिकेट.काम.एयू के अनुसार रिचर्डसन ने कहा- यह जानना हमेशा अच्छा होता कि भविष्य में क्या होने वाला है लेकिन फैसला करने के लिए हम जितना संभव हो उतना समय ले सकते हैं और यह महत्वपूर्ण है। फैसला करने की कोई जल्दी नहीं है। उन्होंने कहा- मेरा मानना है कि यह सही फैसला है।

क्रिकेट के आयोजन को लेकर सकारात्मक माहौल बना

आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने इस बीमारी को काफी अच्छी तरह से रोका है इसलिए इन गर्मियों में सामान्य स्थितियों में क्रिकेट के आयोजन को लेकर कुछ सकारात्मक माहौल बना है। रिचर्डसन ने कहा कि सबसे अच्छा फैसला करने के लिए समय लेना जरूरी है और सुनिश्चित करें कि हमने सर्वश्रेष्ठ निर्णय किया है। इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि अगर टीम विश्व कप से पहले घरेलू क्रिकेट खेलती है तो यह अच्छा रहेगा लेकिन प्रबंधन जो भी फैसला करेगा खिलाड़ी उसका समर्थन करेंगे।

अफ्रीकी तेज गेंदबाज डेल स्टेन के घर पर तीसरी बार हमला, ट्विट में लिखा यह सब

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा है कि कोरोना वायरस के कारण घोषित लॉकडाउन के बीच तीन बार उनके घर में जबर्दस्ती घुसने का प्रयास किया गया और इस तरह की एक घटना ने उनकी मां को बेहद डरा दिया है। स्टेन ने मंगलवार रात ट्वीट किया- शुक्रवार से घर में जबर्दस्ती घुसने के तीन प्रयास किए गए। कल उन्होंने मेरे दोस्त की कार तोड़ दी और आज मेरी मां बेहद डर गई जो घर में अकेली थीं। दक्षिण अफ्रीका में एक जून से तीसरे चरण के लॉकडाउन के शुरू होने के बाद से आपराधिक घटनाओं में काफी इजाफा हुआ है। स्टेन ने सीमित ओवरों के क्रिकेट पर ध्यान लगाने के लिए पिछले साल टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 93 टेस्ट में 22.95 के औसत से 439 विकेट चटकाए हैं। स्टेन ने एकदिवसीय और टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में क्रमश: 196 और 64 विकेट हासिल किए हैं।

उमेश यादव ने याद किए संघर्ष के दिन, बोले- स्पाइक की कम जानकारी होने पर पड़ी थी डांट

नई दिल्ली।

भारतीय टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट में अपनी धारधार बॉलिंग के चलते अलग मुकाम पाने वाले उमेश यादव का कहना है कि बचपन में क्रिकेट की कम जानकारी होने के कारण उन्हें नामोशी का सामना भी करना पड़ा था। उमेश ने क्रिकबज के एक शो के दौरान साफ कहा कि क्रिकेट के शुरुआती दौर में उनका क्रिकेट ज्ञान कम था। उन्हें नहीं पता था कि गेंदबाजी के लिए स्पाइक वाले शूज चाहिए होते हैं। यादव ने एक किस्सा शेयर करते हुए कहा कि वह जब छोटे थे तो एक जिला स्तरीय टूर्नामेंट में उन्हें क्रिकेट बोर्ड के सचिव मिले। उन्होंने उन्हें नागपुर आने को कहा। नागपुर में पहला मैच खेला। आठ विकेट निकाले। इसके बाद टॉप-30 समय कैंप का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रण मिला। वहां जाते ही उन्हें कोच से जोरदार डांट पड़ी। उमेश ने कहा कि कोच ने मुझे बुलाया और पूछा कि मेरे जूते कहां हैं। मैंने उनको बताया कि मेरे पास स्पाइक्स नहीं हैं और मुझे अपने सामान्य जूतों में ही गेंदबाजी करनी होगी। इतना सुनते ही वे बहुत नाराज हो गए। उन्होंने कहा- तुम यहां खेलने कैसे आ सकते हो, तुम्हारे पास तो स्पाइक्स भी नहीं है। किसी को भी बुला लेते हैं खेलने के लिए। चले जाओ यहां से। उमेश ने कहा- उस वक्त मैं बहुत नाराज था। सोचता था- आगे कभी क्रिकेट नहीं खेलूंगा। लेकिन फिर मैंने हार नहीं मानी। हर किसी को एक सीमा तक संघर्ष करना पड़ता है। मैं कभी नहीं कहूंगा कि मेरा संघर्ष किसी भी दूसरे के मुकाबले अधिक रहा है। मैं सिर्फ यही कहना चाहूंगा कि खुद पर भरोसा रखना बहुत जरूरी है। यदि आप मानते रहेंगे कि आप एक दिन सफलता के शिखर पर होंगे, तो आप जरूर होंगे

यात्रा, स्वास्थ्य सलाह ध्यान में रख एसओपी तैयार कर रहे बीसीसीआई के चिकित्सा विशेषज्ञ

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को व्यवस्थित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है ताकि देश में फिर से क्रिकेट की शुरुआत होने के बाद इसे लागू करने की जरूरत पड़े। BCCI के प्रबंध निदेशक (क्रिकेट संचालन) सबा करीम ने कहा कि आने वाले समय में एसओपी को सरकार की ओर से जारी यात्रा और स्वास्थ्य संबंधी दिशानिर्देशों को ध्यान में रखकर अधिकारियों द्वारा तैयार किया जाएगा। करीम ने आईएएनएस से कहा, हम एसओपी की योजना पर काम कर रहे हैं। सबकुछ यात्रा और स्वास्थ्य दिशानिर्देशों पर निर्भर करता है। अभी हमने कोई सकरुलर साझा नहीं किया है और यह आने वाले समय में BCCI अधिकारी और प्रबंधन द्वारा किया जाएगा। BCCI अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि वह भी कोविड-19 को तैयार करने की प्रक्रिया में लगे हुए हैं। गांगुली ने सभी संबंधित संस्थाओं को लिखे पत्र में कहा, BCCI सभी राज्य क्रिकेट एसोसिएशन के लिए कोविड-19 स्टैंडर्ड ऑपरेशन प्रॉसिजर (एसओपी) यानी गाइडलाइंस तैयार करने पर काम कर रहा है। इस गाइडलाइंस के जरिए सभी एसोसिएशन अपने-अपने क्षेत्र में क्रिकेट शुरू कर सकेंगे। एसओपी के ड्राफ्ट के लिए BCCI चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ संपर्क में है।

मैक्सिको में 24 जुलाई से दर्शकों के बिना होगी फुटबाल की वापसी

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको में कोरोना वायरस के कारण चार महीने तक फुटबाल प्रतियोगिताएं बंद रहने के बाद 24 जुलाई से पहली डिवीजन के मैच खेले जाएंगे लेकिन इस दौरान दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति नहीं होगी। एमएक्स लीग ने बुधवार को कहा कि नया सत्र 24 जुलाई से शुरू होगा और 12 दिसंबर तक चलेगा। लीग में 12 टीमें भाग लेंगी जिनमें से चोटी की चार टीमें स्वत: क्वालीफाई करेंगी जबकि बाकी आठ टीमों को क्वालीफाई करने के लिए नाकआउट राउंड में खेलना होगा। लीग के अध्यक्ष एनरिक बोनिला ने कहा कि यह सुनिश्चित नहीं है कि दर्शकों को कब स्टेडियम में आने की अनुमति मिलेगी। बोनिला भी कोरोना वायरस से संक्रमित रह चुके हैं। मैक्सिको में अब तक कोरोना वायरस के कुल 124,301 मामले पाये गये हैं जिनमें से 14,696 की मौत हुई है। अभी तक पहली डिवीजन के 33 खिलाड़ियों का परीक्षण पॉजीटिव रहा है।

गौतम गंभीर खेल के प्रति पूरी तरह से जुनूनी थे: लक्ष्मण

नई दिल्ली।

भारत के पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर की तारीफ करते हुए आज कहा कि गंभीर खेल के प्रति पूरी तरह से जुनूनी थे और वह कभी भी क्रिकेट के मैदान पर किसी भी चुनौती से पीछे नहीं हटे। लक्ष्मण ने ट्विटर पर कहा, ÷ बड़े जिज्ञासु और खेल के प्रति पूरी तरह से जुनूनी गौतम गंभीर, क्रिकेट के मैदान पर कभी भी किसी चुनौती से पीछे नहीं हटा, चाहे वह दुनिया का कोई भी मैदान हो और कैसा भी पिच क्यों ना हो। इस खिलाड़ी हमेशा निडरता से सभी चुनौतियों का डट कर सामना किया। वह जानते थे कि उन्हें कैसे इससे निपटना है। वर्ष 2003 में अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले गंभीर ने भारत के लिए 58 टेस्ट, 147 वनडे और 37 टी 20 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने क्रमश : 4154, 5238 और 932 रन बनाए हैं। गंभीर ने 2007 में टी-20 विश्व कप और साल 2011 में 50 ओवरों के विश्व कप जीताने में टीम के लिए सबसे अहम भूमिका अदा की है। 2007 विश्व कप में उन्होंने सात मैचों में 227 रन बनाए थे। पाकिस्तान के खिलाफ 2007 टी 20 विश्व कप फाइनल में उन्होंने 75 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेलकर टीम को सम्मान जनक स्कोर तक पहुंचाया था, जिसके बदौलत भारत को इस रोमांचक फाइनल में जीत मिली थी। वहीं 2011 विश्व कप में श्रीलंका के खिलाफ सचिन तेंदुलकर और वीरेंद्र सहवाग के जल्दी आउट होने के बाद उन्होंने अपने दमपर पारी को संभाला था और 97 रनों की पारी खेली थी। गंभीर के इस दमदार पारी के बुते ही भारत फाइनल में 275 रनों के लक्ष्य को हासिल कर सका था।गंभीर ने इंडियन प्रीमियर लीग में कोलकाता नाइट राइडर्स को दो बार 2012 और 2014 में चैंपियन बनाया था। दिसंबर 2018 में उन्होंने क्रिकेट के सभी प्रारुपों से संन्यास ले लिया था। इस समय वह पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के सांसद हैं।

अमेरिका ओपन आयोजित कराने पर किर्गियोस ने एटीपी को स्वार्थी कहा

न्यूयॉर्क । आस्ट्रेलिया के टेनिस निक किर्गियोस ने कोरोनावायरस महामारी के बावजूद अमेरिका ओपन को आयोजित कराने पर एटीपी की आलोचना की है और उसे स्वार्थी बताया है। किर्गियोस ने गुरुवार को ट्वीट करते हुए कहा, एटीपी अमेरिका ओपन को आयोजित कराने की कोशिश कर रही है। यह इस समय सब कुछ स्वार्थ है। जाहिर तौर पर, मेरे विचार से इस समय न केवल हमें कोरोना से बल्कि दंगों से भी एक साथ निपटने की जरूरत है। अमेरिका ओपन ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट का आयोजन 24 अगस्त से 13 सितंबर तक होने की उम्मीद है। एटीपी और अमेरिका टेनिस संघ (यूएसटीए) के आयोजकों ने कहा है कि वे टूर्नामेंट को तय समय पर आयोजित कराना चाहते हैं। दुनिया के नंबर-1 पुरुष टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविक और स्पेन के राफेल नडाल पहले ही इस टूर्नामेंट में खेलने को लेकर अपनी चिंता जता चुके हैं। जोकोविक ने कहा था कि अमेरिका ओपन में खेलने के लिए जो नियम बनाए गए हैं, वे काफी सख्त हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

आला हजरत दरगाह में अल्कोहल-बेस्ड सैनिटाइजर का विरोध, मुफ्ती ने कही ये बात

बरेली.उत्तर प्रदेश के बरेली में 'आला हजरत दरगाह' प्रबंधन कमेटी ने कोरोना वायरस (Coronavirus) से बचाव के लिए अल्कोहल-बेस्ड सैनिटाइजर के इस्तेमाल का विरोध किया है. दरगाह की तरफ से श्रद्धालुओं और मस्जिद के प्रमुखों को अल्कोहल-बेस्ड सैनिटाइजर के इस्तेमाल से बचने की सलाह दी गई है.

दरगाह आला हजरत में सुन्नी मरकज दारुल इफ्ता के मुफ्ती नश्तर फारूकी ने बुधवार को कहा, 'इस्लाम में शराब पर पाबंदी है. मुसलमानों को अल्कोहल-बेस्ड सैनिटाइजर का उपयोग नहीं करना चाहिए. अगर परिसर में सफाई के लिए अल्कोहल-बेस्ड सेनिटाइजर का उपयोग किया जाता है तो इससे मस्जिद नापाक हो जाएगी. हम अल्लाह के घर को नापाक नहीं बना सकते. नमाज किसी नापाक जगह पर अदा नहीं की जा सकती. अगर मस्जिद को जानबूझकर नापाक किया जाता है तो यह गुनाह होगा. मैंने मस्जिदों और मस्जिदों की कमेटी के इमामों से अपील की है कि वे अल्कोहल-बेस्ड सैनिटाइजर का इस्तेमाल करने से परहेज करें.'

मुफ्ती नश्तर फारूकी ने अल्कोहल-बेस्ड सैनिटाइजर का एक विकल्प भी दिया है. उन्होंने कहा, 'अल्कोहल-बेस्ड सैनिटाइजर का उपयोग करने के बजाय मुसलमानों को अपने हाथों और मस्जिद परिसर की सफाई साबुन, डिटर्जेंट पाउडर और शैंपू से करनी चाहिए.'

हालांकि धार्मिक स्थलों में अल्कोहल-बेस्ड सैनिटाइजर के उपयोग पर विरोध जताने का यह कोई पहला मामला नहीं है बल्कि इससे पहले मथुरा के कुछ प्रमुख मंदिरों के पुजारी इसके इस्तेमाल पर विरोध जता चुके हैं.मथुरा और वृंदावन में इस्कॉन, बांके बिहारी, मुकुट मुखारविंद और श्री रंग नाथ जी सहित कुछ प्रमुख मंदिरों ने सोमवार से श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के द्वार को नहीं खोलने का फैसला लिया और उनके इस निर्णय के पीछे का एक कारण यही अल्कोहल-बेस्ड सैनिटाइजर है, जिसका परिसर में इस्तेमाल सरकार ने अनिवार्य कर दिया है.

नगरपालिका सुलतानपुर के CMO अरुण श्रीवास्तव निलंबित, घूसखोरी का आरोप

रायसेन. मध्य प्रदेश के सुल्तानपुर तहसील के अंतर्गत नगरपालिका सुलतानपुर के CMO अरुण श्रीवास्तव को निलंबित किया गया है.अरुण श्रीवास्तव पर लंबे समय से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घूसखोरी करने के आरोप लगते आ रहे हैं. जिसकी जांच में बुधवार 10 जून को अरुण श्रीवास्तव दोषी पाए गए. इसके बाद रायसेन कलेक्टर उमाशंकर श्रीवास्तव ने निलंबन के आदेश दिए.

आपको बता दें कि सुल्तानपुर निवासी एक महिला ने ष्टस्ह्र के खिलाफ बंदरबांट और घूसखोरी की शिकायत दर्ज कराई थी. इस मामले में रायसेन कलेक्टर उमाशंकर श्रीवास्तव के निर्देशन में जांच चल रही थी.

CMO अरुण श्रीवास्तव पर आरोप था कि प्रधानमंत्री आवास योजना की जो राशि हितग्राहियों को दी जानी थी, उस राशि में अरुण श्रीवास्तव ने हेराफेरी की थी. इसकी शिकायत के बाद लंबे समय से अधिकारियों द्वारा इस मामले की जांच चल रही थी. बुधवार को शिकायत सही पाए जाने के बाद अरुण श्रीवास्तव को निलंबित किया गया.

राज्यसभा चुनावों की सरगर्मियां तेज, राजस्थान की 3 सीटों के लिए चार दावेदार

सीएम ने आरोप लगाया कि गुजरात और महाराष्ट्र जैसे हालात बीजेपी राजस्थान में भी बनाना चाहती है, लेकिन अपने मंसूबों में कामयाब नहीं होगी.

जयपुर. प्रदेश में राज्यसभा चुनावों को लेकर सियासी घमासान जारी है. कांग्रेस और बीजेपी चुनावी चौसर में अपने दावेदारों को जिताने की तैयारी में है. 19 जून को प्रदेश की तीन सीटों के लिए होने वाले मतदान में फिलहाल दो सीटों का बहुमत कांग्रेस और एक सीट पर जीत के चांस बीजेपी के पास हैं.

इसी बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत(Ashok Gehot) के बीजेपी की ओर से विधायकों की खरीद फरोख्त के बयान पर सियासी हलकों में चर्चा जोर पकड़ रही है. सीएम गहलोत ने 25 करोड़ रुपये में विधायकों को खरीदने की बात कही है. सीएम ने आरोप लगाया कि गुजरात और महाराष्ट्र जैसे हालात बीजेपी राजस्थान में भी बनाना चाहती है, लेकिन अपने मंसूबों में कामयाब नहीं होगी.

कांग्रेस ने केसी वेणुगोपाल और नीरज डांगी वहीं, बीजेपी ने राजेंद्र गहलोत और ओंकार सिंह को उतारा है. संख्याबल के हिसाब से बीजेपी के पास सिर्फ 1 प्रत्याशी को जिताने का बहुमत है. हर प्रत्याशी को जीतने के लिए कम से कम 51 वोट चाहिए. कांग्रेस को दोनों उम्मीदवारों को जिताने के लिए 102 वोटों की जरूरत है जो आसानी से मिलते दिख रहे हैं.

कांग्रेस के साथ खुद के 107 विधायकों के अलावा 13 निर्दलीय, लेफ्ट, बीटीपी के दो-दो और एक आरएलडी विधायक हैं. बीजेपी के पास खुद के 72 विधायकों के अलावा तीन वोट आरएलपी के हैं. हालांकि बदले राजनीतिक घटनाक्रम और इनपुट के बीच कांग्रेस ने ऐहतियातन सभी विधायकों को जयपुर के होटल में ठहराया है.

मुख्य बिंदु

कांग्रेस से केसी वेणुगोपाल और नीरज डांगी उम्मीदवार.

बीजेपी ने राजेंद्र गहलोत और ओंकार सिंह को उतारा.

सीएम अशोक गहलोत ने लगाए विधायकों को खरीदने के आरोप.

25 करोड़ रुपए का विधायकों को बीजेपी दे रही प्रलोभन.

गुजरात और महाराष्ट्र जैसे बनाए जा रहे हालात.

कांग्रेस ने ऐहतियतन सभी विधायकों को होटल में ठहराया.

UP: दलितों के घर फूंकने के मामले में सख्त CM योगी, जानें क्या था विवाद

उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में दलितों के घर फूंकने के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बेहद सख्त हो गए हैं. उन्होंने मुख्य आरोपी नूर आलम और जावेद सिद्दीकी समेत सभी आरोपियों पर तत्काल रासुका लगाने का आदेश दिया है.

जौनपुर. उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में दलितों के घर फूंकने के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बेहद सख्त हो गए हैं. उन्होंने मुख्य आरोपी नूर आलम और जावेद सिद्दीकी समेत

सभी आरोपियों पर तत्काल रासुका लगाने का आदेश दिया है. सीएम योगी ने निर्देश दिया कि पीड़ित दलितों को तत्काल आवास समेत अन्य सरकारी मदद दी जाए.

आपको बता दें कि मंगलवार की शाम बकरी और भैंस चराने को लेकर बच्चों के विवाद में दो पक्षों में मारपीट और हिंसक घटनाएं हुई थी. इस दौरान एक पक्ष के आधा दर्जन छप्पर में आग लगा दी गई थी. सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे अधिकारियों की सूझबूझ से घटना पर काबू पा लिया गया. इस घटना को लेकर क्षेत्र में तनाव हो गया.

मौके पर पहुंचे जिलाधिकारी दिनेश कुमार सिंह ने पीड़ित परिवार को सहायता और राशन देने के साथ-साथ दोषियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर एनएसए जैसी कार्रवाई करने की भी बात कही है. वहीं पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि इस मामले में मुकदमा दर्ज कर कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है.

मॉनसून सीजन के लिए तैयार उत्तराखंड, त्रिवेंद्र सरकार ने किए विशेष प्रबंध

मॉनसून सीजन हमेशा से ही उत्तराखंड जैसे राज्य के लिए चुनौतीपूर्ण रहता है. इसीलिए त्रिवेंद्र रावत सरकार अभी से व्यवस्था को संभालने की तैयारी में जुट गई है.

देहरादून . मॉनसून सीजन हमेशा से ही उत्तराखंड जैसे राज्य के लिए चुनौतीपूर्ण रहता है. इसीलिए त्रिवेंद्र रावत सरकार अभी से व्यवस्था को संभालने की तैयारी में जुट गई है. प्रदेश में 21 जून के आसपास मॉनसून के पहुंचने की उम्मीद है.

आयुक्त गढ़वाल रविनाथ रमन की मानें तो, शासन स्तर की ओर से इस संबंध में जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं, कई जगहों पर डेंजर जोन भी चिन्हित किए गए हैं.

वहां पर आपदा से निपटने के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं. उनका कहना है कि मौजूदा वक्त में आपदा प्रबंधन तंत्र पहले से ही सक्रिय है और सरकार की तैयारी पूरी है.

आपको बता दें कि आपदा के लिहाज से बेहद संवेदनशील उत्तराखंड राज्य के सामने मॉनसून सीजन में कई तरह की दिक्कतें पेश आती हैं लिहाजा राज्य सरकार का आपदा प्रबंधन तंत्र मानसून सीजन के लिए विशेष तौर पर तैयार रहता है.

अपने ही गढ़ में लगे पोस्टर से गायब हुए सिंधिया, भाजपा के होर्डिंग्स में नहीं मिली जगह

केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और सांसद विवेक नारायण शेजवलकर के जन्मदिन के उपलक्ष में पोस्टर लगाए गए हैं. इन पोस्टरों में भाजपा के तमाम बड़े नेताओं के फोटो लगाए गए हैं, लेकिन इन पोस्टरों में ज्योतिरादित्य सिंधिया का फोटो नदारद हैं. ऐसा पहली बार नहीं हआ है इससे पहले भी भाजपा के कई पोस्टरों में सिंधिया को जगह नहीं मिली है.

ग्वालियर. मध्य प्रदेश में कांग्रेस और भाजपा के पॉलिटिकल वार के बीच अब सिंधिया की तस्वीरे भी गायब होने की खबर सामने आई है. अपने ही गढ़ में लगे भाजपा के पोस्टर से सिंधिया गायब नजर आ रहे हैं.

दरअसल केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और सांसद विवेक नारायण शेजवलकर के जन्मदिन के उपलक्ष में पोस्टर लगाए गए हैं. इन पोस्टरों में भाजपा के तमाम बड़े नेताओं के फोटो लगाए गए हैं, लेकिन इन पोस्टरों में ज्योतिरादित्य सिंधिया का फोटो नदारद हैं. ऐसा पहली बार नहीं हआ है इससे पहले भी भाजपा के कई पोस्टरों में सिंधिया को जगह नहीं मिली है.बता दें कि मध्य प्रदेश के गलियारों में भाजपा के होर्डिंग्स और विज्ञापन लग रहे हैं. जिनमें लगातार 3 दिन से सिंधिया गायब नजर आ रहे हैं. लोगों के मन में अब ये सवाल आ रहे हैं कि क्या वाकई बार-बार गलती हो रही है या फिर भाजपा नेता सिंधिया को अपनाने को ही तैयार नहीं है.

Covid-19: राजस्थान में मरीजों की संख्या पहुंची 11,651, अब तक 264 की मौत

गुरुवार सुबह 10.30 बजे तक एक्टिव केस की संख्या 2791 हो गई. कुल 8596 रिकवर्ड केस हैं.

जयपुर.प्रदेश में 11 जून गुरुवार सुबह 10.30 बजे तक 51 नए कोरोना (ष्टशह्श्ठ्ठ्र1द्बह्व्ह्य) पॉजिटिव मरीज सामने आए, जिसके बाद प्रदेश में अब कुल पॉजिटिव मरीजों की संख्या 11,651 हो चुकी है. वहीं, अब तक प्रदेश में कुल मौत का आंकड़ा 264 पहुंच चुका है.

चिकित्सा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह 10.30 बजे तक एक्टिव केस की संख्या 2791 हो गई. कुल 8596 रिकवर्ड केस हैं हालांकि इन डरावने आंकड़ों के बीच राजस्थान में रिकवरी प्रतिशत 74त्न से ज्यादा चल रहा है, जिसकी वजह से लोगों में कोरोना का भय कम हुआ है. राजस्थान में आज सुबह 5 मौतें दर्ज हुईं.

राजस्थान में गुरुवार सुबह तक आए आंकड़ों के अनुसार, अजमेर से 14, अलवर से 2, बारां से 1, भरतपुर से 1, बीकानेर 1, चूरू से 1, गंगानगर से 1, जयपुर से 16, झालावाड़ से 2, झुंझुनूं से 8, कोटा से 2, सवाईमाधोपुर से 1 और टोंक 1 से एक नया कोरोना पॉजिटिव केस सामने आया.

वहीं, राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत का कहना है कि प्रदेश में आगे भी कोरोना संक्रमण का फैलाव नहीं हो, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे. सोशल डिस्टेंसिंग एवं मास्क पहनने सहित अन्य हैल्थ प्रोटोकॉल की भी सख्ती से पालना करवाई जाएगी. निर्देश दिए कि आवागमन को नियंत्रित करने के संबंध में गृह विभाग विस्तृत गाइडलाइन जारी करेगी.

आगे उन्होंने कहा कि हमारे लगातार प्रयासों से राजस्थान में कोरोना पॉजिटिव लोगों के ठीक होने की दर 74 प्रतिशत से ज्यादा है. साथ ही मृत्यु दर 2.25 प्रतिशत तथा केस दोगुने होने की समयावधि 22 दिन है, जो राष्ट्रीय औसत से काफी बेहतर है.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतवंशी डाक्टर दम्पत्ति ने ब्रिटिश सरकार के खिलाफ कानूनी जंग की शुरू

लंदन।

भारतीय मूल के एक चिकित्सक दम्पत्ति ने कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के बीच चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यसेवा कर्मियों की पीपीई से जुड़ी सुरक्षा संबंधी चिंताओं के निपटारे से इनकार करने को लेकर ब्रिटिश सरकार के खिलाफ न्यायिक समीक्षा की कार्यवाही आरंभ की है। डॉ. निशांत जोशी और उनकी गर्भवती पत्नी डॉ. मीनल विज ने ब्रिटेन के स्वास्थ्य एवं सामाजिक देखभाल विभाग और जन स्वास्थ्य विभाग से सवालों का जवाब मांगते हुए अप्रैल में कानूनी कार्रवाई शुरू की थी। उन्होंने बुधवार को इस मामले में लंदन के हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया क्योंकि उनका मानना है कि वे ''अब और इंतजार नहीं कर सकते''। दम्पत्ति ने बयान में कहा, ''हम यह नहीं करना चाहते थे। हम वैश्विक महामारी से निपट रहे चिकित्सक है। हम लोगों का जीवन बचाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा, '' लेकिन हमारे द्वारा उठाए मामलों के निपटारे से सरकार ने इनकार कर दिया, जिसके कारण हमें यह कदम उठाना पड़ा।'' दम्पत्ति का प्रतिनिधित्व कर रही कानूनी कंपनी 'बिंडमान्स' ने कहा कि न्यायिक समीक्षा के लिए दी गई याचिका में व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (पीपीई) के संबंध में सरकार के दिशा-निर्देश और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा तय दिशा-निर्देशों के बीच ''अंतर'' को रेखांकित किया गया है। डॉ. जोशी और उनकी पत्नी डॉ विज ने अप्रैल में ब्रिटेन के स्वास्थ्य और सामाजिक देखभाल विभाग तथा लोक स्वास्थ्य विभाग से जवाब मांगा था । सरकार की तरफ से उचित जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने लंदन में उच्च न्यायालय में मामला ले जाने का फैसला किया । दम्पत्ति ने उन दिशा- निर्देशों को चुनौती दी है जिसके तहत स्वास्थ्यकर्मियों और देखभाल के कार्य में जुटे कर्मियों को पीपीई किट का इस्तेमाल कम करने और कुछ पीपीई किट का फिर से इस्तेमाल करने को कहा गया है । दंपति की दलील है कि ये दिशा-निर्देश विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दिशा-निर्देशों के खिलाफ है और इससे स्वास्थ्यकर्मियों की जान खतरे में है। इससे कार्यक्षेत्र पर जान की सुरक्षा और उनके मानवाधिकारों का उल्लंघन होता है ।

पूर्वी लद्दाख विवाद: भारत और चीन के समाधान के लिए संवाद बनाए रखने पर सहमत- विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली:

भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख विवाद के जल्द शांतिपूर्ण समाधान के लिए सैन्य और राजनयिक स्तर पर संवाद बनाये रखने पर सहमति जताई है । विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा कि दोनों पक्षों ने स्थिति के जल्द शांतिपूर्ण समाधान के लिए सैन्य और राजनयिक बातचीत करने और सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति सुनिश्चित करने की भी बात कही है जो दोनों देशों के नेताओं के व्यापक मार्गदर्शन में हो। श्रीवास्तव ने कहा कि दोनों देशों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति सुनिश्चित करने भी बात कही है। उन्होंने हालांकि इस इस सवाल का जवाब नहीं दिया जिसमें पिछले कुछ दिनों में पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी और हॉट स्प्रिंग में संघर्ष के इलाकों से भारत और चीन दोनों देशों की सेनाओं के पीछे हटने की खबर के बारे में पूछा गया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि जैसा कि आपको पता है कि छह जून 2020 को भारत और चीन के कार्प्स कमांडरों के बीच चूसूल-मोल्डो क्षेत्र में बैठक हुई थी। यह बैठक भारत-चीन सीमा से लगे क्षेत्रों में उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए दोनों पक्षों के बीच जारी राजनयिक और सैन्य संवाद जारी रखने के तहत हुई। उन्होंने कहा कि बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि स्थिति

का जल्द समाधान दोनों देशों के नेताओं के मार्गदर्शन को ध्यान में रखकर हो। प्रवक्ता ने कहा कि इसलिये दोनों पक्षों ने स्थिति के जल्द शांतिपूर्ण समाधान के लिए सैन्य और राजनयिक बातचीत करने और सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति सुनिश्चित करने की बात कही। उन्होंने कहा, '' यह भारत चीन द्विपक्षीय संबंधों के और विकास के लिये आवश्यक है।'' सैन्य सूत्रों ने मंगलवार को दावा किया कि दोनों देशों की सेनाओं ने गलवान घाटी और हॉट स्प्रिंग क्षेत्र में गश्ती प्वाइंट 14 और 15 पर पीछे हटना शुरू किया है और चीनी पक्ष दो क्षेत्रों में 1.5 किलोमीटर पीछे हटे हैं। भारत और चीनी सेना 5 मई से आमने सामने है।

सेना की सहायता से पाकिस्तान में फिर शुरू होगा पोलियो उन्मूलन अभियान

इस्लामाबाद।

पाकिस्तानी फौज के प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने माइक्रोसॉफ्ट के सह संस्थापक बिल गेट्स से कहा है कि कोविड-19 महामारी फैलने के बावजूद आने वाले दिनों में पाकिस्तान में पोलियो उन्मूलन अभियान पुनः शुरू किया जाएगा और फौज सरकार के प्रयासों का समर्थन करेगी। पाकिस्तानी सेना के मीडिया विभाग अंतर सेवा जन संपर्क (आईएसपीआर) की ओर से बुधवार को जारी एक वक्तव्य में कहा गया कि बाजवा और गेट्स ने टेलीफोन पर हुई बातचीत के दौरान पाकिस्तान में पोलियो उन्मूलन के विषय पर चर्चा की। पाकिस्तान दुनिया के उन तीन देशों में से एक है जहां पोलियो एक स्थानीय महामारी है। पाकिस्तान सरकार ने पांच साल से कम उम्र के लगभग चार करोड़ बच्चों को पोलियो का टीका देने के उद्देश्य से 17 फरवरी को देशव्यापी अभियान की शुरुआत करते हुए लोगों से समर्थन की अपील की थी। हालांकि फरवरी में ही देश में पहले कोरोना वायरस संक्रमण का मामला सामने आने के बाद पोलियो उन्मूलन अभियान रोक दिया गया था। बाजवा ने गेट्स से कहा कि पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्वास्थ्य कर्मियों ने कोविड-19 से मुकाबले में भी अग्रिम मोर्चे पर कठिनाइयों का सामना किया। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के बावजूद सेना सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के समर्थन में है और आगामी हफ्तों में पोलियो उन्मूलन अभियान पुनः शुरू करने के लिए पहले से ही तैयारियां की हैं। पाकिस्तानी सेना पोलियो उन्मूलन कार्यकर्ताओं को सुरक्षा प्रदान करती है।

देश में बहुत से लोग पोलियो के टीके के प्रति आज भी सशंकित हैं। हालिया वर्षों में सुरक्षा संबंधी चुनौतियों के कारण पाकिस्तान के विभिन्न क्षेत्रों में पोलियो उन्मूलन अभियान चलाना कठिन होता जा रहा है।

इमरान खान को भारत का करारा जवाब, कहा- पाकिस्तान की जीडीपी जितना है हमारा पैकेज

नई दिल्ली:

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की भारत को गरीबों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) में मदद करने के प्रस्ताव पर भारत ने आज तीखा कटाक्ष किया और कहा कि पाकिस्तान को नकदी देश के बाहर बैंक खातों में ट्रांसफर करने के लिए जाना जाता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने यहां नियमित ब्रीफिंग में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री की पेशकश पर प्रतिक्रिया पूछे जाने पर कहा कि पाकिस्तान को अपने लोगों को पैसा देने की बजाय देश के बाहर बैंक खातों में ट्रांसफर के लिए अधिक जाना जाता है। प्रवक्ता ने कहा कि खान को नए सलाहकारों एवं बेहतर सूचनाओं की जरूरत है। हम सब उनकी कर्ज की समस्या से परिचित हैं जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब 90 प्रतिशत तक हो चुका है। यह भी जानते हैं कि उन पर ऋण की अदायगी को लेकर कितना दबाव है।उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को

यह भी अच्छी तरह से जान लेना चाहिए कि भारत ने कोविड-19 की महामारी में जो पैकेज घोषित किया है, वह पाकिस्तान की सालाना जीडीपी के बराबर है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने भारत को गरीबों को नकद राशि हस्तांतरित करने में मदद करने की पेशकश की है। इमरान खान ने दावा किया है कि पाकिस्तान ने 120 अरब रुपये नौ सप्ताह के अंदर एक करोड़ परिवारों को बेहद पारदर्शी तरीके से बांटे हैं।

संक्षिप्त समाचार

रूस में कोरोना वायरस के मामले 5 लाख के पार

मॉस्को। रूस में कोरोना वायरस संक्रमण के 8,779 नए मामले सामने आने के बाद बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस के कुल मामले 5,00,000 की संख्या पार कर गये। स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। देश में वर्तमान में संक्रमण के कुल पुष्ट मामले 5,02,436 हैं, जिनमें से 6,532 लोगों की मौत हो गई है। रूस और विदेशों में विशेषज्ञों ने देश में संक्रमण के कारण मरने वाले लोगों की कम संख्या पर संदेह व्यक्त किया है। कुछ लोगों ने आरोप लगाए हैं कि राजनीतिक कारणों से संख्या में फेरबदल किया गया है। हालांकि, रूस सरकार ने इन आरोपों से बार-बार इनकार किया है। पिछले महीने से लगभग हर दिन 9,000 नए मामले सामने आ रहे हैं, इसके बावजूद रूसी अधिकारियों ने मॉस्को सहित कई क्षेत्रों में लॉकडाउन प्रतिबंधों में ढील देनी शुरू कर दी है। देश में संक्रमण के कुल मामलों में करीब 40 प्रतिशत मामले अकेले मॉस्को में हैं और देश में हुई कुल मौतों में से करीब आधी मौतें यहीं हुई हैं।मॉस्को के मेयर ने मार्च के अंत से लागू घर में रहने के आदेश को इस सप्ताह हटा दिया। इसके अलावा मेयर ने कई तरह के व्यवसायों को भी हरी झंडी दे दी है।

नस्लीय कार्टून मामला: मिसूरी के अखबार मालिकों ने दिया इस्तीफा

कोलंबिया। अमेरिका में मिसूरी राज्य के एक अखबार के सह-मालिकों ने एक नस्लीय कार्टून के प्रकाशन के बाद बुधवार को विरोध में अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। इस कार्टून में पुलिस की फंडिंग में कटौती की प्रशंसा करते हुए एक काले व्यक्ति को एक श्वेत महिला का पर्स झपटते हुए दिखाया गया है। 'वाशिंगटन मिसूरियन' में प्रकाशित इस कार्टून में एक श्वेत महिला किसी को 911 नंबर पर फोन करते के लिए कह रही है लेकिन मास्क लगाए हुए काला व्यक्ति कहता है, ''गुड लक विद दैट, लेडी...वी डिफंडिड द पुलिस।'' पुलिस के अत्याचारों और मिनियापोलिस में जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के खिलाफ देशभर में हो रहे प्रदर्शनों के बीच यह कार्टून प्रकाशित हुआ है। अखबार के मालिक और बहनें सुजैन मिलर तथा जीन मिलर वुड ने माफी मांगते हुए कहा कि अखबार के प्रकाशक उनके पिता ने कार्टून छापने का निर्णय लिया और उन्हें इसके बारे में नहीं बताया गया। उन्होंने कहा, ''सह-मालिक होने के नाते हमारा मानना है कि यह नस्लीय कार्टून है और किसी भी परिस्थिति में इसका प्रकाशन नहीं होना चाहिए था।'' उन्होंने कहा कि उन्होंने विरोध में इस्तीफा दे दिया है क्योंकि उनके पास फिर से इस तरह की कोई चीज प्रकाशित न हो, इसके लिए संपादकीय अधिकार नहीं रहा है। एपी गोला नरेश नरेश 1106 1215 कोलंबिया

वर्जीनिया में प्रदर्शनकारियों ने जेफरसन डेविस की प्रतिमा तोड़ी

लॉस एंजलिस: वर्जीनिया के प्रसिद्ध मॉन्यूमेंट ऐवेन्यू रिचमॉन्ड में बुधवार रात को प्रदर्शनकारियों ने जेफरसन डेविस की प्रतिमा तोड़ दी। खबरों के मुताबिक परिसंघीय राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति रहे डेविस की प्रतिमा रात को लगभग 11 बजे गिरा दी गई और यह चौराहे पर बीचोंबीच मिली। रिचमॉन्ड पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई। खबरों के मुताबिक पोर्ट्समाउथ में भी प्रदर्शनकारियों ने बुधवार को परिसंघ 'कानफेडरेट' स्मारकों से जुड़ी चार प्रतिमाओं को क्षतिग्रस्त कर उन्हें गिराया था। वर्जीनिया पायलट की खबरों के अनुसार एक प्रतिमा को गिराने की शुरुआत रात करीब 8.20 बजे हुई लेकिन इसके लिए इस्तेमाल में लाई जा रहीं रस्सियां टूट गईं। गौरतलब है कि पोर्ट्समाउथ सिटी काउंसिल के स्मारक हटाने के फैसले को रद्द करने से लोग नाराज हैं। इससे पहले मंगलवार को रिचमॉन्ड में क्रिस्टोफर कोलंबस की एक प्रतिमा को प्रदर्शनकारियों ने गिरा दिया था और आग लगाकर झील में डाल दिया। कानफेडरेट दक्षिणी अमेरिकी राज्यों का संघ था जिसने अमेरिकी गृह युद्ध में उत्तरी राज्यों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी और इसे 1865 में परास्त कर दिया गया था। ये स्मारक उसी काल के हैं । इस संघ की स्थापना 1861 में की गयी थी और यह दास प्रथा को जारी रखने के पक्ष में था। ये प्रतिमाएं ऐसे समय में तोड़ी जा रही हैं जब देशभर में काले व्यक्ति जॉर्ज फ्लॉयड की पुलिस हिरासत में मौत के खिलाफ प्रदर्शन चल रहे हैं। मिनियापोलिस में एक श्वेत पुलिस अधिकारी ने अपने घुटने से फ्लॉयड की गर्दन दबाई थी जिससे उसकी मौत हो गई थी। फ्लॉयड की मौत के बाद देशभर में कानफेडरेट स्मारकों को तोड़ा गया है। कुछ लोगों का कहना है कि ये प्रतिमाएं अनुचित रूप से उन लोगों का महिमामंडन करती हैं जिन्होंने दास प्रथा को बनाए रखने के लिए विद्रोह का नेतृत्व किया। वर्जीनिया के गवर्नर राल्फ नॉर्थम ने गत सप्ताह कानफेडरेट जनरल रॉबर्ट ई ली की प्रतिमा हटाने का आदेश दिया था जो डेविस की प्रतिमा से चार ब्लॉक की दूरी पर है। लेकिन एक न्यायाधीश ने सोमवार को अधिकारियों को अगले दस दिनों के लिए स्मारकों को हटाने से रोकने का आदेश दिया।

तुर्की ने अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवा की शुरू

अंकारा। तुर्की ने कोरोना वायरस महामारी को नियंत्रण में करने के लिए लागू बंद की वजह से 28 मार्च से बंद अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा को दोबारा शुरू कर दिया है। तुर्की एयरलाइन की सहायक शाखा अनादोलु जेट का एक विमान इस्तांबुल के साबीहा गोककेन हवाई अड्डे से लंदन के लिए बृहस्पतिवार सुबह आठ बजकर 40 मिनट पर रवाना हुआ। इससे पहले एम्सटर्डम, जर्मनी के ड्यूसेलडोर्फ के लिए विमान रवाना हुआ। इसी बीच शहर के दूसरे हवाईड्डे से भी तुर्की एयरलाइन का विमान ड्यूसेलडोर्फ रवाना हुआ। हालांकि इन विमानों में उन्हीं यात्रियों को बैठने की अनुमति है जो या तो गंतव्य देश के नागरिक हों या फिर उनके पास आवास परमिट हो। तुर्की ने एक जून को घरेलू विमानों का परिचालन भी शुरू कर दिया था। हवाईअड्डे के प्रवेश द्वारों पर निगरानी रखी जा रही है और शारीरिक तापमान की जांच भी हो रही है।

आईसीएमआर का दावा, भारत में अभी तक नहीं है कोरोना का कम्युनिटी ट्रांसमिशन

नई दिल्ली:

केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश में कोरोना वायरस महामारी अभी सामुदायिक स्तर पर संक्रमण के चरण में नहीं है। हालांकि, ग्रामीण इलाकों की तुलना में शहरी क्षेत्रों और शहरी झुग्गी बस्तियों में संक्रमण का अधिक खतरा है। सरकार ने यह भी कहा कि कोविड-19 के प्रसार पर भारत के प्रथम 'सीरो-सर्वेक्षण% में यह पाया गया है कि लॉकडाउन और विभिन्न स्थानों पर प्रवेश-निकास निषिद्ध करने के उपाय संक्रमण की तीव्र वृद्धि रोकने में सफल रहे हैं। हालांकि, बड़ी संख्या में आबादी के इसकी चपेट में आने को लेकर अब भी खतरा है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक बलराम भार्गव ने प्रेस वार्ता में कहा कि सीरो-सर्वेक्षण के दो हिस्से हैं, प्रथम हिस्से में 'सार्स-सीओवी-2' से संक्रमित सामान्य आबादी के हिस्से का अनुमान लगाया गया है। वहीं, दूसरे हिस्से में आबादी के उस हिस्से को रखा गया है, जो निरुद्ध क्षेत्रों या संक्रमण के अधिक मामलों वाले शहरों में सक्रमित हुए हैं। उन्होंने कहा, ''भारत सामुदायिक स्तर पर संक्रमण के चरण में अभी नहीं है। हमें जांच करना, संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आये लोगों का पता लगाना, उन तक पहुंचना, उसे पृथक रखने का कार्य और निरुद्ध क्षेत्र घोषित करने का कार्य जारी रखना होगा। साथ ही, हमें इस सिलसिले में असावधान नहीं होना होगा।'' उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण का पहला हिस्सा पूरा हो गया है जबकि दूसरा जारी है। यह सर्वेक्षण आईसीएमआर ने राज्य स्वास्थ्य विभागों, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ समन्वय कर मार्च में शुरू किया था। भार्गव ने कहा कि अध्ययन में कुल 83 जिलों और 26,400 लोगों को शामिल किया गया। मीडिया को साझा किये गये आंकड़ों में कहा गया है कि 65 जिलों से आंकड़ों का संकलन कर लिया गया है। भार्गव ने कहा कि सीरो-सर्वेक्षण में पाया गया कि सर्वेक्षण शामिल किये गये जिलों में आबादी का 0.73 प्रतिशत हिस्सा सार्स-सीओवी-2 के संपर्क में अतीत में आ चुका है। उन्होंने कहा, ''लॉकडाउन और संक्रमण वाले स्थानों में प्रवेश- निकास निषिद्ध करने के उपाय संक्रमण को कम रखे हुए हैं और इसे तेजी से फैलने से रोक रहा है।

भार्गव ने कहा कि हालांकि, इसका मतलब है कि आबादी के एक बड़े हिस्से के इस महामारी की चपेट में आने को लेकर अब भी खतरा है और ग्रामीण इलाकों की तुलना में शहरी इलाकों में (1.09 गुना) और शहरी झुग्गी बस्तियों में (1.89 गुना) खतरा अधिक है।

विश्व में कोरोना से 4.16 लाख लोगों की मौत, संक्रमितों का आंकड़ा 73.6 लाख के पार

बीजिंग।

विश्व में कोरोना वायरस से मरने वाले लोगों की संख्या 4.16 लाख से अधिक हो गई है तथा अब तक इससे 73.6 लाख से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र के ताजा आंकड़ों के मुताबिक कोरोना वायरस से दुनिया भर में अब तक 4,16,116 लोगों की मौत हुई है तथा 7357794 लोग संक्रमित हुए हैं। कोरोना वायरस से प्रभावित होने के मामले में अमेरिका विश्व भर में पहले और ब्राजील दूसरे तथा रूस तीसरे स्थान पर है। दूसरी तरफ इस महामारी से हुई मौतों के आंकड़ों के हिसाब से अमेरिका पहले, ब्रिटेन दूसरे और ब्राजील तीसरे क्रम पर है।

भारत में 24 घंटों के दौरान रिकॉर्ड 9966 नए मामले दर्ज

भारत में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के रिकॉर्ड 9966 नए मामले दर्ज किये गये हैं और अब कोरोना संक्रमितों की संख्या 2,86,579 हो गई है। वहीं इस दौरान 357 लोगों की मृत्यु होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 8102 हो गई है। देश में इस समय कोरोना के 1,37448 सक्रिय मामले हैं, जबकि 1,41029 लोग इस महामारी से निजात पाने में कामयाब हुए हैं। विश्व की महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना महामारी से प्रभावित होने वाले लोगों का आंकड़ा 20 लाख के पास पहुंच गया है। यहां इस संक्रमण से अब तक 1,999900 लोग संक्रमित हो चुके हैं तथा 1,12,908 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

ब्राजील में अब तक 772416 लोग चपेट में

ब्राजील में अब तक 772416 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं और 39680 लोगों की मौत हो चुकी है। रूस में भी कोविड-19 का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है और यहां इसके संक्रमण से अब तक 4,92023 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 6,6350 लोगों ने जान गंवाई है। ब्रिटेन में भी हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं। यहां अब तक इस महामारी से 2,91,588 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 41223 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। स्पेन में अब तक 2,42280 लोग संक्रमित हुए है जबकि 27,136 लोगों की मौत हो चुकी है। यूरोपीय देश इटली में इस महामारी ने खूब कहर बरपाया है। यहां अब तक इसके कारण 34,114 लोगों की मौत हुई है और 2,35,763 लोग इससे संक्रमित हुए हैं।

चीन में अब तक 4638 लोगों की मृत्यु

वैश्विक महामारी कोरोना के उद्गमस्थल चीन में अब तक 84,209 लोग संक्रमित हुए हैं और 4638 लोगों की मृत्यु हुई है। फ्रांस और जर्मनी में भी इस जानलेवा विषाणु के कारण स्थिति काफी खराब है।

फ्रांस में अब तक 1,92068 लोग इससे संक्रमित हुए हैं और 29,322 लोगों की मौत हो चुकी है। जर्मनी में कोरोना वायरस से 1,86,522 लोग संक्रमित हुए हैं और 8752 लोगों की मौत हुई है।

वहीं पेरू में कोविड-19 से अब तक 207794 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 5903 लोगों की मौत हुई है।

नेपाल में कोरोना लॉकडाउन दौरान सरकार देगी कुछ रियायतें

काठमांडू।

नेपाल सरकार ने कोरोना वायरस महामारी को नियंत्रित करने के लिए लागू लॉकडाउन के बीच काठमांडू घाटी समेत, कम जोखिम वाले क्षेत्रों में कुछ रियायतें देने का निर्णय लिया है। सरकार ने वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए 24 मार्च को बंद लागू किया था। 30 मई को इसे आगे बढ़ाकर 14 जून तक कर दिया गया। नेपाल में कोरोना वायरस संक्रमण के 4,360 से अधिक मामले सामने आए हैं और अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है। सूत्रों ने बताया कि बुधवार को मंत्रिमंडल की एक बैठक हुई जिसमें बंद के प्रारूप में बदलाव का निर्णय लिया गया। यह प्रयास देश में आर्थिक गतिविधियों को धीरे-धीरे पटरी पर लाने से जुड़ा है। सूत्रों के अनुसार, बैठक में यह निर्णय लिया गया कि काठमांडू और अन्य जिलों में जहां कोविड-19 के कुछ ही मामले सामने आए हैं, वहां कारोबार, उद्योग और निजी वाहनों को चलने की मंजूरी दी जाएगी। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है और ऐसी संभावना है कि यह शुक्रवार के बाद से प्रभावी हो। सूत्रों के मुताबिक ट्रैफिक जाम को रोकने के लिए निजी वाहनों को सम-विषम व्यवस्था के आधार पर चलने की मंजूरी मिलेगी। चारपहिया वाहन में चालक समेत सिर्फ दो लोग ही यात्रा कर सकेंगे और दोपहिया वाहन में पीछे किसी को बैठने की मंजूरी नहीं होगी। मंत्रिमंडल बैठक में लंबी दूरी की यात्री बसों, स्कूलों, कॉलेजों, सिनेमाघरों को बंद रखने का निर्णय लिया गया है। वहीं वे सभी सार्वजनिक स्थल बंद रहेंगे, जहां भीड़ जमा होती है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध लगा रहेगा।

नेपाल को चुभी सीएम योगी की सलाह, पीएम केपी ओली बोले- हमें धमकी देना अस्वीकार्य

काठमांडू:

नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने कहा है कि उनकी सरकार राजनयिक प्रयासों और ऐतिहासिक तथ्यों तथा दस्तावेजों के आधार पर संवाद के जरिये कालापानी मुद्दे का समाधान तलाश करेगी। ओली ने बुधवार को संसद में एक सवाल के जवाब में कहा, ''हम बातचीत के जरिये भारत द्वारा कब्जाई गई जमीन वापस हासिल करेंगे।'' उन्होंने दावा किया कि भारत ने कालापानी में सेना तैनात करके नेपाली क्षेत्र में काली मंदिर, 'एक कृत्रिम काली नदी' का निर्माण और अतिक्रमण किया। काली नदी दोनों देशों के बीच सीमा को परिभाषित करती है। ओली ने यह दावा दोनों देशों के दरम्यान चल रहे सीमा विवाद के बीच किया है। नेपाल ने लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा को अपने क्षेत्र में दिखाते हुए एक राजनीतिक मानचित्र जारी किया, जिसपर भारत ने सख्त लहजे में नेपाल को किसी भी तरह के 'कृत्रिम विस्तार' से बचने की सलाह दी। भारत और नेपाल के बीच संबंधों में तल्खी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा आठ मई को उत्तराखंड के धारचुला को लिपुलेख दर्रे से जोड़ने वाली 80 किलोमीटर लंबी सामरिक रूप से महत्वपूर्ण सड़क का उद्घाटन करने के बाद शुरू हुई। नेपाल ने सड़क के उद्घाटन पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए दावा किया कि यह सड़क नेपाली क्षेत्र से होकर गुजरती है।

कालापानी-लिपुलेख दर्रे पर नेपाल का दावा

भारत ने नेपाल के इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि यह सड़क पूरी तरह से उसके क्षेत्र में आती है। नेपाली अधिकारियों का कहना है कि 1962 में भारत-चीन युद्ध से पहले से ही इस इलाके पर नेपाल का नियंत्रण है। उस समय भारत ने नेपाल के शासकों की अनुमति से कुछ समय के लिये यहां अपनी सेना तैनात की थी, लेकिन फिर उसने अपनी सेना नहीं हटाई। ओली ने संसद में एक सवाल के जवाब में कहा कि वैसे तो सुस्ता जैसे अन्य इलाकों को लेकर भी सीमा विवाद है, लेकिन सरकार की प्राथमिकता लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा है क्योंकि देश की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर किसी अन्य जगह सेना तैनात करके जमीन नहीं कब्जाई गई। उन्होंने कहा, 'हमारे पूर्वजों ने बड़े संघर्षों से इस जमीन को पाया और बचाया है। अगर हम अडिग रहे तो ही अपनी क्षेत्रीय अखंडता का कायम रख पाएंगे।

योगी की सलाह पर क्या बोले ओली

ओली ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस बयान पर भी आपत्ति जतायी कि नेपाल को तिब्बत वाली गलती नहीं करनी चाहिये। उन्होंने कहा, 'अगर आदित्यनाथ ने ऐसा कहा है, तो यह उचित नहीं है। उन्होंने कहा, इस तरह नेपाल को धमकाना उचित नहीं है...उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को ऐसा बोलने का अधिकार नहीं है। अगर उन्होंने ऐसा कहा है, तो यह खेदजनक है। ओली ने भारत और नेपाल के प्रख्यात व्यक्तियों के समूह (ईपीजी) द्वारा तैयार संयुक्त रिपोर्ट प्राप्त करने को लेकर भारत की अनिच्छा की भी शिकायत की। उन्होंने कहा कि नेपाल रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए तैयार है, लेकिन वह तब तक ऐसा नहीं करेगा जब तक दोनों सरकारें इसे प्राप्त नहीं कर लेतीं। उन्होंने कहा, शर्त के अनुसार, भारत को पहले रिपोर्ट प्राप्त करनी चाहिए, लेकिन दो साल पहले जो रिपोर्ट तैयार की गई थी, उसे प्राप्त करने के लिए उसने कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रेमजाल में फांसकर युवक का किशोरी से दुष्कर्म, गर्भवती होने पर फरार हो गया

क्रांति समय

सूरत शहर के पूणा क्षेत्र की 15 वर्षीय किशोरी को प्रेमजाल में फांसकर एक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया! किशोरी के गर्भवती होने पर आरोपी अपने गांव भाग गया! जानकारी के मुताबिक सूरत के पूणा क्षेत्र में रहनेवाले श्रमिक परिवार की 15 वर्षीय किशोरी के पेट दर्द की शिकायत के बाद निजी अस्पताल ले जाया गया! जहां सोनोग्राफी में पता चला कि वह गर्भवती है! यह सुनकर श्रमिक परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई!

माता–पिता ने जब किशोरी से इस बारे में पूछा तो वह दो दिनों तक खामोश रही! लेकिन दो दिन बाद फिर से पेट दर्द होने पर किशोरी को लेकर पि. रवार सूरत के स्मिमेर अस्पताल पहुंचाद्य जहां उसके पेट का एक्स रे कराया गया! किशोरी के पेट में 20 सप्ताह का गर्भ होने का पता चलते ही अस्पताल के डॉक्टर ने चाइल्ड वेल्फेयर और पुलिस को इसकी जानकारी दी! चाइल्ड वेल्फेयर और पुलिस की पूछताछ में किशोरी ने बताया कि कुलदीप यादव नामक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया था! कुलदीप यादव को शायद किशोरी के गर्भवती होने का पता चला गया था, जिससे वह उत्तर प्रदेश के अयोध्या भाग गया है! पुलिस ने किशोरी की माता–पिता की शिकायत के आध ाार पर कुलदीप यादव के खिलाफ पोस्को और 376 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार करने की कवायद तेज की है!

आवारा श्वान की निर्मम हत्या के आरोप में ऑटो रिक्शा चालक गिरफ्तार

क्रांति समय

सूरत शहर के पालनपुर गाम में भूखे–प्यासे घूम रहे एक आवारा श्वान की निर्दयतापूर्वक हत्या करने के आरोप में अडाजण पुलिस ने ऑटो रिक्शा चालक को गिरफ्तार कर लिया!

वैश्विक महामारी को लेकर लॉकडाउन किया गया था, जिसमें आम लोगों की मुश्किलें बढ़ गई थीं! लोगों पर निर्भर रहने वाले पशु–पक्षियों की क्या हालत हुई होगी, यह सभी समझ सकते हैं!

लॉकडाउन के दौरान कई सेवाभावी संस्थाओं ने जरूरतमंदों को भोजन–पानी मुहैया कराया था! कुछ ऐसी संस्थाएं भी थीं जो आवारा पशुओं को खासकर श्वानों को खाना और दूध इत्यादि दे रहे थे!

सूरत के रांदेर, अडाजण, पाल, जहांगीरपुरा, पालनपुर इत्यादि में श्वानों को आहार समेत उनकी चिकित्सा करने वाले एक संस्था के सदस्य गत 2 जून को पालनपुर गाम में श्वानों को आहार और दूध देने गए थे!

उस वक्त कुछ स्थानीय युवकों ने उनका विरोध करते हुए दोबारा यहां नहीं आने की धमकी दी थी! स्थानीय युवक ने एक श्वान को पीट पीट कर मौत के घाट उतार दिया था! सेवाभावी संस्था के सदस्यों ने सबूत के तौर पर इसकी तस्वीर ली और श्वान की हत्या करने वाले युवक ने इस बात को कबूल भी किया, जो मोबाइल में रिकार्ड हो गया!

सबूत साथ संस्था के सदस्य अडाजण पुलिस थाने पहुंच गए और मामला दर्ज करवा दिया! जिसके आधार पर पुलिस ने श्वान की हत्या के आरोप में हितेश मनसुख पटेल नामक ऑटो रिक्शा चालक को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की है!

सुजलाम सुफलाम जल अभियान का तीसरा चरण सफलतापूर्वक संपन्न

कोरोना काल में लॉकडाउन के बीच हुए 10703 कार्य, 29 लाख श्रमिकों को मिला रोजगार

क्रांति समय

अहमदाबाद, मुख्यमंत्री ने राज्य में जल संग्रह के स्रोत बढ़ाने और जल स्तर को ऊंचा उठाने का महत्वपूर्ण दृष्टिकोण वर्ष 2018 से सुजलाम सुफलाम जल अभियान के अंतर्गत अपनाया है। इस बार लगातार तीसरे साल मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के मार्गदर्शन में सुजलाम सुफलाम जल अभियान ने कोरोना वायरस संक्रमण के प्रतिकूल हालात के बावजूद ज्वलंत सफलता हासिल की है। सुजलाम सुफलाम जल अभियान का तीसरा चरण विश्वव्यापी कोरोना संक्रमण के संकट काल के बीच 20 अप्रैल से 10 जून के दौरान पूरे राज्य में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। यही नहीं, पूर्व के दो वर्षों यानी कि 2018 और 2019 के जल अभियान से भी अधिक कार्य इस वर्ष हुआ है। इस वर्ष कोरोना महामारी के बीच भी 17075 लाख घन फुट जल संग्रह क्षमता में बढ़ोतरी हुई है। आपत्ति को अवसर में पलटने का गुजरात का मिजाज 10 जून को पूर्ण हुई इस अभियान की तीसरी श्रृंखला में उभरकर सामने आया है। इस वर्ष सुजलाम सुफलाम जल अभियान योजना तंत्र के लिए एक चुनौती थी क्योंकि कोविड–19 की महामारी के चलते लॉकडाउन की स्थिति में अनेक चुनौतियों के बीच इस अभियान को आगे बढ़ाना था। ऐसे स्थिति में हर साल की तरह इस बार भी सुजलाम सुफलाम जल अभियान को आगे बढ़ाकर बरसाती पानी के संग्रण के लिए मुख्यमंत्री ने समूचे तंत्र को प्रेरित किया है। कोरोना संक्रमण के बीच जल संसाधन, जलापूर्ति, ग्राम विकास, शहरी विकास, वन एवं पर्यावरण विभाग तथा सरदार सरोवर नर्मदा निगम लिमिटेड सहित स्थानीय जिला प्रशासन ने कोविड–19 की इस आपत्ति को अवसर में तब्दील करने की चुनौती स्वीकार कर ली। कोविड–19 महामारी और लॉकडाउन के हालात में श्रमिकों को रोजी–रोटी और आर्थिक सहारा प्राप्त करने में किसी प्रकार की तकलीफ न हो इसके लिए प्रशासन द्वारा बड़े पैमाने पर इस बात के प्रयास किए गए कि सामाजिक दूरी के नियमों की पालना के साथ अधि ाकाधिक श्रमिक सुजलाम सुफलाम जल अभियान और मनरेगा योजना के कार्यों से जुड़ें। कोरोना काल और लॉकडाउन की स्थिति में भी ग्रामीण श्रमिकों व गरीब परिवारों को रोजगार मुहैया कराने के लिए राज्य में छोटी नदी, चेकडैम और तालाबों को गहरा करने के सुजलाम सुफलाम जल अभियान के कार्यों सहित मनरेगा के कार्य शुरू कर समग्र अभियान के तहत 29 लाख मानव दिवस रोजगार का सृजन किया गया, जिसमें एक दिन में लगभग 1.29 लाख लोगों को रोजगार सुलभ कराया गया है।

राज्य में भूजल स्तर को ऊंचा उठाने तथा अधिक से अधिक जल संचयन कर उसका लाभ नागरिकों और लाखों किसानों को सुलभ कराने के आशय से शुरू किए गए राज्यव्यापी सुजलाम सुफलाम जल अभियान को व्यापक जन समर्थन मिला है।

परिणामस्वरूप पिछले तीन वर्ष में 40628 लाख घन फुट जल संग्रह क्षमता में बढ़ोतरी हुई है। जिसमें अकेले इस वर्ष विपरीत हालात के बावजूद 17075 लाख घन फुट जल संग्रह क्षमता में बढ़ोतरी हुई है। रूपाणी ने सुजलाम सुफलाम जल अभियान की दो वर्ष की लगातार ज्वलंत सफलता के चलते इस वर्ष भी 20 अप्रैल से 10 जून के दौरान समग्र गुजरात में इस अभियान का

तीसरा संस्करण शुरू कराया था। इसके बाद मुख्यमंत्री ने लॉकडाउन के तीसरे दौर में ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा सहित श्रमिकों को रोजगार प्रदान करने के कार्यों के साथ ही जल संग्रह क्षमता बढ़ाने वाले जल अभियान के कार्य पुनः शुरू करने को तंत्र को प्रेरित किया जिससे इन कार्यों में तेजी आई। राज्य में 20 अप्रैल से शुरू हुए सुजलाम सुफलाम जल अभियान के तीसरे चरण में 10 जून तक 10703 कार्य संपन्न हुए। अभियान के तहत इस वर्ष राज्य भर में 4192 तालाबों को गहरा किया गया,

2317 चेकडैमों की गाद निक. ाली गई, 2190 किलोमीटर लंबाई की नहरों और 1860 किलोमीटर लंबाई की छोटी नहरों की सफाई की गई। इन कार्यों में एक ही दिन में सर्वाधिक 2817 जेसीबी मशीन और 13330 ट्रैक्टर व डंपर सहित कुल 16147 यांत्रिक उपकरण ों का उपयोग किया गया था। राज्य सरकार के इस महत्वाकांक्षी अभियान को लोगों का जबर्दस्त समर्थन मिला है।

जनभागीदारी से शुरू किए गए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जल संचयन का दायरा बढ़ाना,

भूजल स्तर को ऊंचा उठाना, सिंचाई व्यवस्था को और सुदृढ़ करना, खेत उत्पादन में वृद्धि करने के साथ ही पानी की बर्बादी को कम करना तथा पर्यावरण में सुधार करना है। अभियान को सभी लोगों ने सहयोग प्रदान किया नतीजतन यह अप्रतिम सफलता अभियान को मिली है।

वर्ष 2018 से शुरू हुए इस जल अभियान में पिछले तीन वर्ष के दौरान राज्य भर में 16471 तालाबों को गहरा किया गया है। इसी तरह, 8092 चेकडैमों से गाद निकाली गई और 2226 चेकडैमों की मरम्मत की गई है। फलस्वरूप जल संग्रह क्षमता में कुल 40628 लाख घन फुट की बढ़ोतरी हुई है। इस अभियान के तीन वर्षों के दौरान अर्थात 2018, 2019 और 2020 में मनरेगा योजना के तहत भी जनभागीदारी से कार्य शुरू किए गए। सभी जिलों में 41119 कार्य पूरे किए जा चुके हैं। 38150 किलोमीटर लंबाई की नहरों की साफ–सफाई, 5181 किलोमीटर लंबाई की छोटी नहरों की सफाई की गई है। इसके चलते राज्य भर में 129 लाख मानव दिवस रोजगार का सृजन हुआ है। इन सभी कार्यों के लिए एक ही दिन में अधिकतम 4669 एक्सकेवेटर, 15280 ट्रैक्टर व डंपरों द्वारा कार्य किया गया। इस अभियान के लिए जनभागीदारी के जरिए 138 करोड़ रुपए मूल्य के कार्यों का सहयोग भी राज्य सरकार को मिला। उल्लेखनीय है कि राज्य के सभी जिलों में इस अभियान के तहत मुख्य रूप से तालाबों को गहरा करना, चेकडैम और जलाशय से गाद निकालना, चेकडैम की मरम्मत, नहरों तथा स्ट्रक्चर की साफ–सफाई, नहरों की मरम्मत तथा रखरखाव, नए तालाब, नए चेकडैम, वन तालाब, खेत तलैया, वर्षा जल संचयन, नदी, छोटी नहरों तथा तालाबों की साफ–सफाई, गेबियन, कंटुरट्रेंच, चेकवॉल, फॉर्म बंडिंग और नदियों को पुनर्जीवित करने का कार्य, पेयजल स्रोतों के आसपास सफाई, टंकी, संप, इंटेक स्ट्रक्चर तथा आसपास के क्षेत्रों की सफाई, डब्ल्यूटीपी व एसटीपी तथा आ. सपास की सफाई, एच.आर. गेट मरम्मत, तालाबों के तटबंध और वेस्ट वियर का सुदृढ़ीकरण, बरसाती पानी के लाइन की सफाई और गटर की साफ–सफाई जैसे कार्य किए गए। नागरिकों व किसानों के हित में राज्य सरकार ने यह अभियान मानवीय संवेदना से शुरू किया था जिसका सभी नागरिकों ने उत्साह के साथ स्वागत किया है जिसके चलते यह अभूतपूर्व सफलता मिली है।

मास्क व सेनेटाइजर के लिए अहमदाबाद स्टेशन पर ऑटोमैटिक वेडिंग मशीन

क्रांति समय

अहमदाबाद , पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद स्टेशन पर वर्तमान में कोरोना महामारी के संक्रमण के खतरे को देखते हुए अहमदाबाद मण्डल द्वारा यात्री हित में कई कदम उठाएं जा रहे है। इसी क्रम में अहमदाबाद स्टेशन पर प्लेटफॉर्म एक की ओर (कालुपुर साइड) कानकॉर्स हॉल में मास्क व सेनेटाइजर के लिए ऑटोमैटिक वेडिंग मशीन स्थापित की गई हैं।

मण्डल रेल प्रबंधक दीपक कुमार झा ने बताया कि पश्चिम रेल. वे का यह पहला प्रयोग है जिसके तहत अहमदाबाद स्टेशन पर ऑटोमैटिक वेडिंग मशीन लगाई गई

जिसमे छ 95 मास्क 3 प्लाई मास्क तथा सैनिटाइजर का विक्रय हो सकेगा। इस सुविधा से यात्री व रेल उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।

उनके अनुसार इस वेडिंग मशीन में ई पेमेंट व केश पेमेंट दोनों विकल्प उपलब्ध है।

इस मशीन से पी पी ई किट भी उपलब्ध रहेंगे जो उच्च गुणवता युक्त तथा बाज़ार भाव से प्राप्त किए जा सकेंगे। इस प्रोजेक्ट से रेल प्रशासन को 12000 रू. की वार्षिक आमदनी भी होगी।

भगवान श्रीकृष्ण पर विवादित टिप्पणी कर फंसे मोरारी बापू

क्रांति समय

अहमदाबाद ,विख्यात कथाकार मोरारी बापू फिर एक बार विवादों में घिर गए हैं! अबकी बार मोरारी बापू ने भगवान श्रीकृष्ण और बलराम समेत परिवार को शराबी और चोर बताया है! सोशल मीडिया पर मोरारीदास का वीडियो वायरल होने के बाद क्षत्रिय समेत कई समाज में आक्रोश व्याप्त है! जामनगर में करणी सेना ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर मोरारीदास के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है! दरअसल सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो पुराना है, लेकिन उसमें भगवान श्रीकृष्ण और बलराम समेत उनके परिवार को लेकर की गई टिप्पणी आपत्तिजनक हैं!

वीडियो में मोरारीदास कहते हैं कि "भगवान श्रीकृष्ण ने धर्म की स्थापना के लिए जन्म लिया था! लेकिन द्वारका में धर्म की स्थापना करने में भगवान श्रीकृष्ण असफल रहे! उनके पुत्र और भाई बलराम 24 घंटे शराब का सेवन करते थे! किसी कारण शराब नहीं मिलने पर चोरी करके भी शराब पीते थे!"

मोरारीदास ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणी से क्षत्रिय समाज में आक्रोश भड़क उठा है और उसने मोरारीदास के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है! हांलाकि लोगों के आक्रोश को देखते हुए मोरारीदास ने कहा कि उन्होंने केवल सच्चाई बयान की है,

यदि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची है उसके लिए खेद प्रकट करता हूं! गौरतलब है इससे पहले नीलकंठ को लेकर की गई टिप्पणी के बाद मोरारीदास के खिलाफ स्वामीनारायण संप्रदाय में आक्रोश भड़क उठा था!

स्वामीनारायण संस्था के अक्षरवत्सल स्वामी और कालावड के कांग्रेस विधायक प्रवीण मुछडिया ने मोरारीदास को आडे हाथ लिया था!

स्वामीनारायण संप्रदाय के संत और श्रद्धालुओं ने मोरारीदास से माफी मांगने की मांग की थी!

जरूरत के मुताबिक राज्य में कोरोना टेस्ट किया जा रहा है : उप मुख्यमंत्री

क्रांति समय

अहमदाबाद , उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने आज स्पष्ट किया है कि राज्य में जरूरत के मुताबिक कोरोना टेस्ट किया जा रहा है!

राज्य के निजी अस्पताल के एमडी या विशेषज्ञ की सिफारिश पर कोरोना मरीजों का टेस्ट किया जा रहा है!

महामारी के दौर में सरकार जरूरत के मुताबिक फैसला करती है और यह फैसला 10 डॉक्टरों की समिति की सिफारिश पर किए जा रहे हैं!

उन्होंने कहा कि डॉक्टरों की कोर समिति के साथ बैठक हुई है!

गुजरात में कोरोना को नियंत्रित करने और बेहतर उपचार के लिए मार्गदर्शन प्राप्त किया जा रहा है!

कोरोना की आशंका से कोई भी नागरिक टेस्ट कराना चाहता है और इसीलिए टेस्टिंग बढ़ाने की मांग की जा रही है!

उन्होंने कहा कि जरूरी हुआ तो डॉक्टर की सिफारिश पर कोई भी नागरिक निजी लेबोरेटरी में टेस्टिंग करा सकता है

और उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आती है तो सरकार द्वारा सरकारी या निजी अस्पताल में जो व्यवस्था की गई है !

वहां उस मरीज का उपचार किया जाएगाद्य अहमदाबाद के एमडी डॉक्टर यदि किसी व्यक्ति का टेस्ट कराना चाहता है तो वह उसे निजी लेबोरेटरी में टेस्टिंग के लिए भेज सकता है,

लेकिन इसकी जानकारी सरकार को देनी अनिवार्य है! गुजरात में बढ़ते मृत्युदर को लेकर नितिन पटेल ने कहा कि अन्य रोगों के कारण भी मरीजों की मौत हो रही है!

ऐसा नहीं है कि केवल कोरोना से मरीजों की मौत हो रही है!

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)